दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शुक्रवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 308 • पृष्ठ 8 • दुमका, शुक्रवार 10 नवंबर 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

शोपियां एनकाउंटर में TRF का आतंकी ढेर,बॉर्डर पर पाकिस्तानी गोलीबारी में BSF का जवान घायल

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आज गुरुवार तड़के सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद कथित तौर पर एक आतंकवादी मारा गया। विवरण के अनुसार,काथोहलेन क्षेत्र से गोलीबारी की सूचना मिली थी। रिपोर्ट्स में कश्मीर जोन पुलिस के हवाले से बताया गया है कि मारे गए आतंकवादी की पहचान मैसेर अहमद डार के रूप में हुई है,जो आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) से जुड़ा हुआ था। एक पुलिस अधिकारी ने मीडिया को बताया कि सुरक्षा बलों के जवानों ने दक्षिण कश्मीर जिले के काथोहलान इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि जैसे ही बलों ने अभ्यास किया,आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी कर दी। अधिकारी ने बताया कि बलों ने जवाबी कार्रवाई की,जिसके बाद मुठभेड़ हुई जिसमें एक आतंकवादी मारा गया।वीडियो में सुरक्षा बलों को जम्मू-कश्मीर के शोपियां में काम करते हुए दिखाया गया है, जहां मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी मारा गया। एक अलग घटना में,गुरुवार तड़के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (IB) पर पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा अकारण गोलीबारी में सीमा सुरक्षा बल (BSF) का एक जवान घायल हो गया। जिले में सीमा चौकियों को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी जम्मू सीमा पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा 24 दिनों में तीसरा संघर्ष विराम उल्लंघन है।

भारत का डंका बज रहा है तथा कांग्रेस के गुब्बारे की हवा निकल गई -पीएम

सतना(मध्यप्रदेश) । मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के चुनाव प्रचार के लिए सतना पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जोरदार हमला कियोउन्होने कहा कि आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है तथा कांग्रेस के गुब्बारे की हवा निकल गईरैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राम मंदिर बन रहा है जिसकी पुरे देश में चर्चा हैअब सबके विकास का वक्त आया है मध्य प्रदेश में निर्धन लोगों के लाखों घर बनाए गए हैमोदी घर देने की गारंटी देता हैमध्य प्रदेश के हर एक काम में कांग्रेस सरकार रोड़ा अटकाती थी तथा कांग्रेस ने राज्य को अंधेरे कुएं में धकेल दिया थां प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा हैआपके वोट की वजह से देश के दुश्मन का हौसला पस्त हैकांग्रेस की झूठ की गुब्बारे की हवा निकल गयी है कांग्रेस के पास मध्य प्रदेश के विकास का कोई रोडमैप नहीं हैकांग्रेस का चेहरा थका और हार हुआ हैजहां-जहां कांग्रेस आई वहां-वहां तबाही लेकर आई हैयदि आपने कांग्रेस को वोट किया तो केंद्र से मिलने वाली सभी सहायता बंद कर दी जाएगीकांग्रेस सरकार लोगों को पक्का मकान देने में नाकाम रही लेकिन मोदी आपको पक्के मकान की गारंटी देता है

राहुल का पीएम मोदी पर हमलाः कहा-आपका पैसा मोदी जी अडानी को देते हैं तथा अडानी दुबई में जाकर बड़ा सा घर खरीद लेते हैं

राहुल का एलान- कांग्रेस की सरकार बनी तो 27 लाख किसानों का कर्जा माफ करेंगे,100 यूनिट बिजली फ्री देंगे

अशोकनगर(मध्यप्रदेश)/एजेंसी।

मध्यप्रदेश में मतदान के पहले भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस के दिग्गज अपनी-अपनी ताकत झोंक रहे हैं।आज प्रधानमंत्री मोदी सतना, छतरपुर जिले के दौरे पर हैं।प्रियंका चित्रकूट में हैं।वहीं राहुल गांधी आज अशोकनगर जिले के दौरे पर हैं। उन्होंने नई सराई में जनसभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने अडानी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी को घेरा।

राहुल गांधी ने कहा कि ये एक दूसरे को धर्म के नाम पर लड़ा रहे हैं। राहुल ने कहा कि दो सरकारें चलती हैं एक गरीबों की मदद करती है एक बिजनेसमैन की सहायता करती है। आपका पैसा मोदी जी अडानी को देते हैं तथा अडानी दुबई में जाकर बड़ा सा घर खरीद लेते हैं। जाति जनगणना इन सभी से निपटने का तरीका है,जिसे मैं एक्स-रे कहता हूं। जिस दिन जाति जनगणना होगी उस दिन मध्यप्रदेश के लोगों को पता चल जाएगा कि लोग बेरोजगार क्यों हैं। मैं मोदी जी से बोलता हूं जाति जनगणना के लिए तो मोदी जी बोलते हैं कि जात तो है ही नहीं।अपने आप को डइउ बोलते हैं,मगर जब जाति जनगणना की बात होती है तो कहते हैं जाति तो एक ही है,गरीब हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो 27 लाख किसानों का कर्जा माफ करेंगे।100 यूनिट बिजली फ्री देंगे। 2 लाख रुपये तक का किसानों का कर्जा कांग्रेस सरकार माफ करेगी। यहां पर 2600 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं का दाम करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर गैस सिलेंडर का भाव 500 रुपये करेंगे। सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने सीधी के पेशाब कांड पर भी भारतीय जनता पार्टी को जमकर घेरा। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे के करोड़ों के लेनदेन की बात भी की। राहुल गांधी ने कहा कि अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाते हैं जनता से कहते हैं हिन्दी सीखो। आपके बच्चों को विदेशी कंपनी में नौकरी के लिए अंग्रेजी की आवश्यकता है।

अब पूरी क्षमता के साथ काम करेगा सुप्रीम कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट को मिले 3 नए जज,कॉलेजियम की सिफारिश को केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली/एजेंसी।

सर्वोच्च न्यायालय में आज गुरुवार को 3 नए जज नियुक्त किए गए। इसी के साथ अब देश की शीर्ष अदालत 34 न्यायाधीशों की पूर्ण क्षमता के साथ काम करेगी।विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर इन जजों की पदोन्नति का ऐलान किया। ये तीन नए जज,दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा,राजस्थान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह और गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संदीप मेहता हैं।

बता दें कि इन तीनों जजों को प्रमोशन देने की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (उखक) डी वाई चंद्रचूड,जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना,जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की कॉलेजियम ने सोमवार (6 नवंबर) को की थी। कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को भेजी अपनी सिफारिश में कहा था कि शीर्ष अदालत में मंजूरी प्राप्त कुल जजों की संख्या 34 है। अभी कोर्ट में कुल 31 न्यायाधीशों हैं और अदालत में बड़ी संख्या में लंबित मामले हैं।

कॉलेजियम ने कहा था कि लंबित मामलों की निरन्तर बढ़ती संख्या के चलते जजों पर काम का बोझ काफी बढ़ गया है। इसके मद्देनज़र यह सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है कि अदालत में न्यायाधीशों की पूर्ण संख्या हो और किसी भी समय कोई रिक्ति न रहे,इसीलिए कॉलेजियम ने नामों की सिफारिश कर सभी तीन मौजूदा रिक्तियों को भरने का निर्णय लिया है।प्रस्ताव में आगे कहा गया था कि कॉलेजियम ने शीर्ष अदालत में नियुक्ति के लिए उच्च न्यायालय के पात्र मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ जजों के नामों पर विचार-विमर्श किया। इसके बाद ये नाम भेजे गए हैं।

मणिपुर में इंटरनेट सेवा में ढील, जातीय हिंसा से अप्रभावित चार जिला मुख्यालयों में हटाया गया प्रतिबंध

इंफाल(मणिपुर)/एजेंसी।

मणिपुर सरकार ने जातीय हिंसा से अप्रभावित चार पहाड़ी जिला मुख्यालयों में मोबाइल इंटरनेट सेवा पर लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया है। अधिकारियों ने आज बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि नगा-बहुल उखरूल,सेनापति,चंदेल और तामेंगलोंग जिला मुख्यालयों में प्रायोगिक आधार पर इंटरनेट सेवा से प्रतिबंध हटा दिया गया है। यह कदम मणिपुर उच्च न्यायालय के उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसके तहत राज्य सरकार को हिंसा से अप्रभावित सभी जिला मुख्यालयों में प्रायोगिक आधार पर मोबाइल टावर को फिर से चालू करने का निर्देश दिया गया था।

अधिकारियों के मुताबिक,चार पहाड़ी जिला मुख्यालयों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं मंगलवार से बहाल हो गईं। मोबाइल इंटरनेट सेवाओं की बहाली के बारे में पूछे जाने पर,उखरूल जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि केवल जिला मुख्यालयों में कुछ चुनिंदा मोबाइल टावर चालू किए गए हैं। लेकिन कनेक्टिविटी बेहद खराब है।बहाली प्रायोगिक आधार पर की जाएगी।

उखरूल में हाल ही में एक समारोह में राज्य के परिवहन मंत्री काशिम वाशुम ने कहा था कि चार जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं फिर से शुरू होंगी। मणिपुर में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से सितंबर में कुछ दिनों को छोड़कर,मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

प्रियंका का मुख्यमंत्री शिवराज पर हमला, बोलीं- रिश्ता निभाने से ही बनता है,वरना मामा तो कंस भी था

बोली - विंध्य और मप्र की जनता भाजपा के कुशासन से ऊब चुकी है।जनता ने मन में ठाना है कि इस बार मामा को हटाना है

रीवा/सतना(मध्यप्रदेश)/एजेंसी।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आज गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विंध्य और मप्र की जनता भाजपा के कुशासन से ऊब चुकी है। जनता ने मन में ठाना है कि इस बार मामा को हटाना है।सिर्फ कह देने से कोई मामा नहीं हो जाता। रिश्ता तो निभाने से ही

बनता है, वरना मामा तो कंस भी था।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों को याद करते हुए प्रियंका ने कहा कि महात्मा गांधी को जब गोली लगी तो उनके मुंह से हे राम निकला,कांग्रेस उन्हीं महात्मा गांधी के उसूलों पर चलती है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के मद्देनजर रीवा और सतना जिले के चित्रकूट में प्रियंका गांधी ने चुनावी सभाओं को संबोधित किया।उन्होंने कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार ने 22 हजार घोषणाएं की हैं। 18 साल में इन्होंने 22 घोषणाएं भी पूरी नहीं की है।18 सालों से ये लोग सत्ता में हैं। इन्हें चुनाव के दो महीने पहले लाड़ली बहना याद आ गई। क्या चुनाव से पहले बहनों को समस्या नहीं थी? क्या चुनाव से पहले महिलाओं के जीवन में कठिनाइयां नहीं थी,महंगाई नहीं थी?

प्रियंका ने कहा कि हम लाड़ली बहना योजना से ज्यादा महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह देने का काम करेंगे।हम कर्नाटक में महिलाओं को सम्मान राशि पहले से दे रहे हैं। हम किसानों का धान 2500 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर खरीदेंगे।

आपको सनातन धर्म पर ये ज्ञान कहां से मिला, हमें भी वो रिसर्च दिखाइए! उदयनिधि स्टालिन को मद्रास HC का आदेश

चेन्नई /एजेंसी। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन से उस शोध का विवरण देने को कहा,जिस पर ₹सनातन धर्म₹ पर उनकी टिप्पणी आधारित थी और उनसे आयोजित सम्मेलन के निमंत्रण कार्ड की एक प्रति भी जमा करने को कहा है। साथ ही चेन्नई में तमिलनाडु प्रोग्रेसिव राइटर्स आर्टिस्ट एसोसिएशन और उक्त सम्मेलन में दिए गए उनके भाषण के पाठ की टाइप की गई प्रति भी कोर्ट में जमा करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अनिता सुमंत ने उदयनिधि स्टालिन और तमिलनाडु के मंत्री पीके शेखरबाबू और ऊ्टङ सांसद ए राजा के खिलाफ हिंदू मुन्नानी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया,जिसमें ₹सनातन धर्म₹ पर उनके कथित विवादास्पद बयानों के लिए उन्हें पद से हटाने की मांग की गई थी। हिंदू मुन्नानी ने उदयनिधि स्टालिन द्वारा की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए उच्च न्यायालय के समक्ष तीन याचिकाएं दायर की हैं। न्यायमूर्ति सुमंत ने सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि से यह भी पूछा कि ₹सनातन धर्म₹ के बारे में उनकी समझ या ज्ञान का आधार क्या था और वह कौन सा शोध था,

ईडी के सामने पेश हुए तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी,बोले- छह हजार पन्नों का जवाब सौंपा

बोले - भाजपा हमसे लड़ने में सक्षम नहीं! इसलिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है,यह दुर्भाग्यपूर्ण

कोलकाता/एजेंसी।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी कथित बंगाल स्कूल रोजगार घोटाले की जांच के सिलसिले में आज प्रवर्तन निदेशालय के कोलकाता कार्यालय में पेश हुए। इससे पहले ईडी ने अभिषेक बनर्जी को तलब किया था।उन्हें आज यानी 9 नवंबर को ईडी के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया था। ईडी कार्यालय से बाहर आने के बाद तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मैंने कथित स्कूल रोजगार घोटाले की जांच में सहयोग किया है। मैंने ईडी को छह हजार पन्नों का जवाब सौंपा है।अभिषेक ने कहा कि मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। वे जब चाहें मुझे बुला सकते हैं। सभी चीजें लोगों के सामने हैं कि भाजपा हमसे लड़ने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है।यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर आपके पास मेरे खिलाफ कोई सबूत है तो अदालत के सामने पेश करें।

अभिषेक बनर्जी ने महुआ मोइत्रा मामले में भी अपनी बात रखी। ईडी कार्यालय के बाहर जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि महुआ मोइत्रा अपनी लड़ाई खुद लड़ने में सक्षम हैं। दरअसल,महुआ पर संसद में सवाल पूछने के बदले रिश्वत लेने के आरोप लगे हैं। सूत्रों की मानें तो मामले में उनकी लोकसभा सदस्यता भी जा सकती है। इससे पहले पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री और तृणमूल की प्रवक्ता शशि पांजा ने समन को प्रतिशोध की राजनीति से प्रेरित बताया था।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

सुरक्षित बचपन, खुशहाल जीवन के मुद्दे को लेकर 15 स्थानों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त दुमका के निर्देशानुसार सुरक्षित बचपन,खुशहाल जीवन के मुद्दे को लेकर जिले के दुमका,जामा, सरैयाहाट,शिकारीपाड़ा एवं रानेश्वर प्रखंड के 11 गावों एवं 4 विद्यालयों में ग्राम ज्योति संस्था,जिला समाज कल्याण कार्यालय एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त पहल व कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फउंडेशन-यूएस के सहयोग से एक साथ 15 स्थानों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में 950 बच्चे एवं 1150 ग्रामीण महिलायें एवं पुरुषों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर सजग हुए। जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाएं (स्पॉन्सरशिप कार्यक्रम,सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना),बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणाम व ×कानूनी दंड प्रावधानों, गुड टच बैड टच आदि से अवगत कराना था।जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर के द्वारा सभी प्रखण्डों में बाल विवाह,बाल श्रम एवं बाल यौन शोषण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कजलादाहा गांव के मुखिया दिनेश सोरेन ने बताया कि बाल विवाह,बाल श्रम एक अभिशाप है। इसको समाप्त करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों का चयन करके बाल श्रम विभाग,प्रखंड कार्यालय,जिला बाल संरक्षण इकाई या क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था को सूचित करने की आवश्यकता है।वहीं एक और कार्यक्रम में राजकृत उच्च विद्यालय कड़हरबील की प्रधानाध्यापिका (सिंधु स्नेहा भारती) ने बच्चों सहित शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। बच्चों के बचपन की सुरक्षा हम सभी का कर्तव्य है।आज के बच्चे कल के भारत का भविष्य हैं और हमारा राष्ट्र और समाज मजबूत हो इसके लिए बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करना, बाल श्रम/बाल तस्करी ×खत्म करना, बाल यौन शोषण एवं बाल हिंसा मुक्त समाज का निर्माण करना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।ऐसे ही एक कार्यक्रम में उपस्थित आंगनवाड़ी की सेविका ने ग्रामीणों को बताया कि सरकार की अनेक योजनाएं हैं जिसमें पात्र बच्चे और इनके परिवार को चिन्हित करके उनके जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है, और जो छूटे हुए बच्चे और इनके परिवार हैं उन्हें भी योजनों से जोड़ना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सरकार की बहुत सारी योजनाएं बच्चों से संबंधित है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार की स्पॉन्सरशिप योजना बच्चों के लिए है जिसमें उन्हें आर्थिक सहायता मिलती है,आप अधिकाधिक जरुरत मंद बच्चों एवं उनके परिवार का चयन करके जिला बाल संरक्षण इकाई और बाल कल्याण समिति को सूचित करे, ताकि बचपन को सुरक्षित किया जा सके।वही दूसरी और प्रत्येक कार्यक्रम को आयोजित कर रही ग्राम ज्योति संस्था व कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फउंडेशन-यूएस के जिला समन्वयक नरेंद्र शर्मा ने बताया कि बाल विवाह,बाल श्रम एवं बाल यौन शोषण एक अभिशाप है इसे हमारे समाज से एवं भारतवर्ष से मुक्त करना अति आवश्यक है। बच्चों को शिक्षित होना जरूरी है जो कि आगे चलकर भारत देश का नाम रोशन करेंगे। बाल विवाह हमारे देश में सदियों से चलती आ रही एक कुप्रथा है, यह कोई जाति विशेष पर निर्भर नहीं करता है,यह लगभग सभी जातियों में होते हैं, जिस के दुष्प्रभाव से बच्चों का बचपन छिन जाता है।

साथ ही उन्होंने बताया कि बाल विवाह के उन्मूलन एवं रोकथाम हेतु बाल विवाह निषेध अधिनियम ,2006 कानून बनाया गया है, जिस को लेकर गांव, विद्यालय,पंचायत, प्रखंड व जिला स्तर पर विभाग एवं स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम कर रही है। लक्ष्य सिर्फ एक है दुमका जिला को बाल विवाह मुक्त जिला बनाना। बताते चलें कि ग्राम ज्योति संस्था के जिला समन्वयक नरेंद्र शर्मा, प्रमोद कुमार, मरियानुस सोरेन,पूजा कुमारी,सरस्वती टुडू,ललिता टुडू, जुली हेंब्रम,शांतिलता हेंब्रम,सनातन मुर्मू,शिबानी कुमारी,अनीता मुर्मू , रजाउल अंसारी,कासिफ रजा, इत्यादि लगातार अपने अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

मनरेगा सोशल ऑडिट टीम द्वारा किया गया जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। गोपीकांदर प्रखंड अन्तर्गत खरौनी बाजार,गोपीकांदर,कुश्चिरा और ओडमो पंचायत भवन परिसर में आज गुरुवार को मनरेगा सोशल ऑडिट की टीम द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।खरौनी पंचायत के तरनी फुटबॉल मैदान,गोपीकांदर पंचायत भवन,ओडमो पंचायत भवन परिसर एवं कुश्चिरा पंचायत भवन परिसर में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में सोशल ऑडिट टीम के अलावे पंचायत प्रतिनिधियों,अंचल व प्रखंड के पदाधिकारी और ग्रामीण शामिल हुए। टीम ने बीते सात दिनों से वर्ष 2021-22, 2022-23 में गोपीकांदर प्रखंड के विभिन्न गांवों में किए गए मनरेगा योजना की भैतिक जाँच की।जाँच के बाद आज गुरुवार को जनसुनवाई कार्यक्रम कर ग्रामीणों के साथ कार्यों के पूर्ण-अपूर्ण, अनियमितता जैसी जानकारी साझा की। टीम ने सभी पंचायत में विभिन्न योजनाओं में गड़बड़ी व अनियमितता पकड़ी और संबंधित पदाधिकारियों पर आर्थिक दंड लगाया।खरौनी बाजार पंचायत के संबंधित कर्मियों पर कुल 2845 रुपये का आर्थिक दंड लगाते हुए भुगतान कराया। जनसुनवाई में पंचायत मुखिया, रोजगार सेवक,वार्ड सदस्यों के अलावे मनरेगा योजना के लाभुकों, मनरेगा मजदूरों को जागरूक भी किया गया। तरनी में ज्यूरी सदस्य कनीय अभियंता भागवत कुमार, प्रखंड प्रमुख मर्सीलता मरांडी,ग्राम प्रधान मुनीलाल टुडू,बिटिया किस्कू, मनरेगा मजदूर मानिक किस्कू शामिल थे। अंकेक्षण टीम के दिपेश राउत,वीआरपी अनुप कुमार सिंह, दिनेश बाउरी,ओमेश टुडू,बबलू देहरी, विलियम मुर्मू समेत पंचायत प्रतिनिधियों के अलावे ग्रामीण मौजूद थें।

संक्षिप्त समाचार

संथाल परगना महाविद्यालय का बालक वर्ग बना उपविजेता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विवि इंटर कॉलेज कबड्डी प्रतियोगिता 2023 संत जेवियर महाविद्यालय महारो दुमका में 8 नवंबर को आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में आठ बालक वर्ग और आठ बालिका वर्ग की टीम ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में संथाल परगना महाविद्यालय बालक वर्ग उपविजेता रहे। संथाल परगना महाविद्यालय दुमका के खेल निदेशक प्रो सुनील बेसरा के नेतृत्व में कप्तान शशिकांत हासदा और उनके खिलाड़ियों ने बहुत ही बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। पहले मैच में संताल परगना महाविद्यालय दुमका ने धमड़ी कॉलेज गोड्डा को 36-6 से हराया। सेमीफाइनल मैच में सेंट जेवियर कॉलेज महारो दुमका को 26-15 से हराया और फाइनल मैच में संथाल परगना महाविद्यालय दुमका उपविजेता रहे। कप्तान शशिकांत हांसदा, अभी दास, निरुपम हांसदा, अजय कुमार मिर्धा, सौरभ कुमार, सितेश मरांडी, प्रफुल्ल सोरेन, मौसम मुर्मू, ऋषि कुमार, राजकुमार हेंब्रम, आकाश कुमार सिन्हा, और उमेश राय ने संताल परगना महाविद्यालय कबड्डी टीम के रूप में भाग लिया। कॉलेज प्राचार्य डॉ के पी यादव ने पूरी टीम के प्रदर्शन पर खिलाड़ियों को बधाई दी और भविष्य में ऐसे ही महाविद्यालय का नाम रौशन करने की शुभकामनाएं भी दी। साथ ही प्राचार्य डॉ यादव ने कहा कि महाविद्यालय में बच्चों की पढ़ाई के साथ साथ खेल कूद के लिए भी अनुकूल वातावरण बनाने का प्रयास सतत रूप में किया जा रहा है।

टीबी ग्रसित किशोरी को छोड़ काम करने चले गये माता-पिता, सूचना मिलने पर सीडब्ल्यूसी ने लिया संज्ञान

- **सीडब्ल्यूसी के पहल पर डीसीपीयू ने निश्चय मित्र के तहत लिया गोद**
- **मसलिया के पूर्व प्रमुख के संरक्षण में किशोरी का करवाया जा रहा इलाज**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मसलिया के नयाडीह पंचायत क्षेत्र की रहनेवाली 13 वर्ष की किशोरी को घर पर छोड़ उसके माता-पिता काम करने के लिए पश्चिम बंगाल चले गये। वह भी तब जबकि किशोरी टीबी से ग्रसित थी। किशोरी अपने घर से निकल कर जब वह भटक रही थी तो मसलिया की पूर्व प्रमुख सोनी कपुर मुर्मू को मिली। पूर्व प्रमुख ने उसे अपने घर पर आश्रय दिया और समाजिक कार्यकर्ता सचिन नंदी के माध्यम से यह खबर सीडब्ल्यूसी चैयरपर्सन के पास पहुँचा, जिससे बाद सीडब्ल्यूसी ने मामले पर संज्ञान लेते हुए उसे समिति के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया था। तत्पश्चात उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के चेयरपर्सन डॉ अमरेन्द्र कुमार, सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, डॉ राजु कुमार उपाध्याय एवं नूतन बाला ने इस मामले की सुनवायी करते हुए किशोरी का प्रोडक्सन लिया। किशोरी ने बताया कि उसके माता और पिता दोनों लंबे समय से पश्चिम बंगाल में मजदूरी कर रहे हैं। घर पर उसके अलावा उसका भाई है। बीमारी के कारण वह घर से निकल गयी। पूर्व प्रमुख ने उसे अपने घर पर रख लिया और उसकी चिकित्सकीय जांच करवायी जिसमें टीबी होने की पुष्टि हुई है। वह कक्षा- 5 तक पढ़ी है। समिति के आग्रह पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चंद्र ने डीसीपीयू की तरफ से टीबी ग्रसित इस किशोरी को निश्चय मित्र योजना के तहत गोद ले लिया और उसे पौष्टिक भोजन के रूप में हॉरलिक्स, अरहर व चना दाल, चना, गुड़ और अंडा दिया। डीसीपीयू यूनिट अगले छह माह तक इस किशोरी को पौष्टिक आहार उपलब्ध करवायेगी। मसलिया के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया है कि किशोरी का मसलिया में ही इलाज किया जायेगा। समिति ने पूर्व प्रमुख को फिट पर्सन घोषित करते हुए किशोरी को उसके साथ घर भेज दिया। साथ ही पूर्व प्रमुख को कहा कि किशोरी को नियमित रूप से दवा दी जाये और उसके इलाज में कोई भी कठिनाई आती है तो समिति को उससे अवगत करवाया जाये ताकि उस कठिनाई को दूर किया जा सके। समिति ने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को किशोरी का एसआईआर तीन दिनों में देने का आदेश देते हुए खासतौर से उसके इलाज की व्यवस्था के बारे में रिपोर्ट मांगा है।

उपायुक्त ने किया बीडीओ के साथ समीक्षात्मक बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में गुरुवार को अबुआ आवास योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले के सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के साथ समीक्षात्मक बैठक आहूत की गईं। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रो के गरीब गृहविहिन,कच्चे घरो में रहने वाले गरीब लोगों को पक्का घर उपलब्ध कराने हेतु राज्य संपोषित योजना के रूप में अबुआ आवास योजना की स्वीकृति दी गई है। आगामी 15.11.2023 से 29.12.2023 तक आयोजित होने वाले ''आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार'' कार्यक्रम के माध्यम से लिए जाने वाले आवेदनों के आधार पर अबुआ आवास योजना के लाभुकों का चयन किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक तीन वर्षों की अवधि में झारखंड राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 8 लाख आवास का निर्माण किया जाना है।इस योजना के तहत लाभुक द्वारा स्थानीय सामग्री तथा डिजाइन का उपयोग करते हुए तीन कमरे के आवास का निर्माण न्यूनतम 31 वर्ग मीटर मे किया जाएगा,जिसमें स्वच्छ रसोईघर भी शामिल है। घरों को अनिवार्य रूप से परिवार की महिलाओं के नाम पर पंजीकृत किया जाएगा। प्रति यूनिट आवास की सहायता राशि 2 लाख रूपए होगी। घर के निर्माण के लिए यूनिट सहायता राशि के अलावा मनरेगा के तहत अधिकतम 95 मानव दिवस अकुशल मजदूरी भुगतान करने का प्रावधान है। मापदंडों के आधार पर लाभार्थियों की पहचान,चयन तथा संबंधित ग्राम सभा के द्वारा चयनित लाभार्थियों का सत्यापन किया जाएगा। लाभार्थी चयन के मापदण्ड कुछ इस प्रकार हैःकच्चे घरों में रहने वाले परिवार। आवास विहिन एवं निराश्रित परिवार। विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह के परिवार। प्राकृतिक आपदा के शिकार परिवार। कानूनी तौर पर रिहा किये गये बंधुवा मजदूर। वैसे परिवार,जिन्हें राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित आवास योजना यथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण/बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना/बिरसा आवास योजना/इंदिरा आवास योजना इत्यादि आवास का लाभ नहीं दिया गया हो। इसके अतिरिक्त और भी अन्य मापदंड है।पात्रता मापदंड के अनुसार लाभार्थी की स्थाई प्रतीक्षा सूची ग्राम सभा में तैयार की जायेगी। प्राथमिकता सूची को पंचायत ग्राम टोला के बीच व्यापक रूप से प्रचारित करने हेतु सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। किसी प्रकार की शिकायतों का निराकरण प्रखण्ड, अनुमण्डल/जिला स्तर पर किया जायेगा। साथ ही जिला स्तर पर एक अपीलीय कमिटि का गठन किया जायेगा।

बैठक में ''आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार'' के माध्यम से अबुआ आवास योजना के आवेदनों के संबंध में सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि 15 नवम्बर 2023 से पूर्व व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। बैठक में उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा, निदेशक डीआरडीए जावेद अनवर इदरीसी, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी, डीआरडीए संदीप कुमार आदि उपस्थित थे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को डालसा द्वारा प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। लीगल सर्विसेस डे के अवसर पर आज गुरुवार को झालसा, रांची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुमका अनिल कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन पर प्राधिकार के सचिव, विश्वनाथ भगत के नेतृत्व में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, दुमका में आवासित छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लीगल एंड डिफेंस के अधिवक्ता अंकित कुमार सिंह एवं रोबिन कुमार ने भी भाग लिया। ज्ञात हो कि डालसा, दुमका के द्वारा 100 दिवसीय जागरूकता सह आउटरीच कैंपेन तथा लीगल सर्विसेस डे के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन 03 नवंबर से 9 नवंबर तक जिले के विभिन्न गॉवों, कारा, विद्यालय तथा प्रखंडों में आयोजित किया गया तथा इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ पैनल अधिवक्ता के रूप में कामोद नारायण झा, सर्वश्रेष्ठ पैरा लीगल वालंटियर के रूप में सुशीला हेंब्रम को प्रमाण पत्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया तथा बेस्ट लीगल एड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के तौर पर डालसा द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। बालिकाओं को जागरुक करते हुए उन्हें गुड टच तथा बैड टच, अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह, बाल श्रम, किशोरियों के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रही विभिन्न योजनाओं, अनाथ बच्चों की पहचान कर स्पॉन्सरशिप स्कीम से जोड़ने तथा झालसा एवं नालसा के विभिन्न स्कीमों के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया। वही कार्यक्रम के शुरुआत में उपस्थित छात्राओं द्वारा डायन बिसाही एवं अंधविश्वास व साइबर अपराध एवं इसके रोकथाम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लिया प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को डालसा द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

Govt. Regd.
B.ED.
B.P.ED.
D.ED.
D.PHARMA
LLB
A to Z CONSULTANCY
Contact for Fast Track Mode
Session Available: 2020 onWards.
GRADUATION/MASTERS/PH.D all courses
Regular and Distance Mode
Contact: 9955599136, 9234964298 , 7870104955
GNM
B.Sc. NURSING
PARA MEDICAL
B.TECH / DIPLOMA
MBA / BBA
Address: Ring Road, Near R.K. Marble. Dumka, Jharkhand.

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

शहर के भू माफियाओं को चिन्हित कर उनके क्रिमिनल हिस्ट्री पर कार्रवाई करें थानेदार: एसपी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। पुलिस कप्तान हरदीप पी जनार्दन ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में मासिक अपराध गोष्ठी की। बैठक में एसपी ने गत माह में दर्ज कांडों का समीक्षा कर लंबित मामलों का चरित्र निष्पादन करने का निर्देश थानेदार को दिया। साथ ही एसपी ने पाकुड़ शहर में बुधवार को जमीन को लेकर हुई गोली कांड की घटना को गंभीर मामला बताते हुए थानेदार को सक्रिय भू माफियाओं का लिस्ट तैयार कर उनके आपराधिक पृष्ठभूमि जांच कर उन पर क्विक एक्शन लेने का निर्देश दिया है। बैठक में एसपी ने सभी थानेदार को काली पूजा और छठ पूजा को देखते हुए सतर्कता बनाए रखना और शांति समिति की बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रखने की हिदायत दी है। साल 2019 और 2020 के लंबित कांडों का जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया है। लूट डकैती और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और उद्वेदन करने का निर्देश एसपी ने दिया है। बैठक में एसपी ने जुआ के अड्डा पर छापामारी कर कार्रवाई करने का निर्देश सभी थानेदार को दिया है। अवैध धंधा लॉटरी बालू पत्थर और कोयला के कारोबार पर पूर्णता रोक लगाने का निर्देश पुलिस कप्तान दी है। एसपी ने बैठक में दुर्गा पूजा शांति और सफल तरीके से संपन्न होने पर सभी पुलिस पदाधिकारी और पुलिस कर्मी को शुभकामना दी। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल, डीएसपी बैजनाथ प्रसाद, ट्रेनी डीएसपी, नगर थाना प्रभारी मनोज कुमार, सुमित कुमार, गोपाल कृष्ण यादव के अलावे सभी थानेदार मौजूद थे।

जमीन विवाद में गोली चलाने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। जमीन विवाद में गोली चलाने वाले आरोपी इंद्रनील चटर्जी को नगर थाना पुलिस ने पश्चिम बंगाल से आर्म्स पिस्टल सहित गिरफ्तार कर देर रात पाकुड़ ले आई है। इंद्रनील चटर्जी का आर्म्स और स्कॉर्पियो गाड़ी को जप्त कर लिया गया है। आज गुरुवार को इंद्रनील चटर्जी को नगर थाना पुलिस कोर्ट में प्रस्तुत करेगी और उन्हें वहां से न्यायिक हिरासत में भेज दी जाएगी। गोलीकांड की घटना के बाबत अनिदिता जयसवाल की लिखित शिकायत पर नगर थाना कांड संख्या 211, 2023 धारा 341, 323, 304

306 290 307 326 341 509 एवं 25 बी 27 आर्म्स एक्ट के तहत केस रजिस्टर्ड की गई है। दर्ज केस में अनिदिता ने आरोप लगाया है कि पाकुड़ मौज नंबर 128 के दाग संख्या 1839 में स्थित जमीन को मेरे में मेरे ममेरे भाई इंद्रनील चटर्जी कुछ और असमाजिक तत्वों के साथ जबरन जमीन की घेराबंदी कर रहे थे। इसकी सूचना मैं थाने को दी थी। दिन के 2:30 बजे इंद्रनील चटर्जी अपने साथ पिस्तौल लेकर भूमाफियाओं के साथ विनोद चौधरी, अनारूल शेख, सुरेंद्र पासवान और राजू तिवारी मेरे जमीन पर जबरन पिलर लगाने का प्रयास कर रहे थे। मना करने और रोकने पर इंद्रनील चटर्जी ने गोली चला दी। उधर घायल राम ठाकुर, शोभित ठाकुर और विष्णु कर्मकार का इलाज बरहमपुर के गीतांजलि अस्पताल में चल रहा है। घायलों को लगी गोली देर रात ऑपरेशन कर निकल लिए जाने की खबर है। सभी घायल अब खतरे से बाहर बताए गए हैं।

जिला के सभी पंचायतों में सप्ताहिक पंचायत दिवस का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के निर्देशानुसार जिले के सभी पंचायतों में गुरुवार को भी जिले के सभी पंचायतों में सप्ताहिक पंचायत दिवस का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की सोच है कि सभी सुयोग्य लाभुकों को सरलता पूर्वक योजनाओं का लाभ मिले। इसी सोच को लेकर जिला के सभी पंचायतों में सप्ताहिक पंचायत दिवस का आयोजन किया जा रहा है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ के लिए आपको सरकारी कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा, प्रशासन आपको योजनाओं का लाभ देने के लिए आपके पंचायत में आ पहुंचा है। इसका उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पंचायत हर घर को मिल सकें। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन पत्र दिए व प्राप्त किए जा रहे हैं। पंचायत स्तर से ही आम लोगों की समस्या का निराकरण किया जाएगा।

- **विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी**

जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को दी। उन्होंने ग्रीन राशन कार्ड निर्माण, सोना सबरन धोती -साड़ी योजना, फुलो झानों आर्शिवाद योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, किसान क्रेडिट कार्ड, ई श्रम पोर्टल पर श्रमिक निबंधन, जेएसएलपीएस द्वारा महिला समूह गठन, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम आदि योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। पंचायत दिवस कार्यक्रम के माध्यम से शिकायतों के निष्पादन, योजनाओं से नए लाभुकों को लाभांवित किया जा रहा है। साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी के अलावा शिकायतों का निष्पादन के साथ योग्य लाभुकों को जोड़ते हुए सरकारी योजनाओं के लाभ से आच्छादित भी किया जा रहा है।

मंत्री आलमगीर 13 को करेंगे छठ घाटों का निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पाकुड़। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम 13 नवंबर को पाकुड़ शहरी क्षेत्र में स्थित छठ घाटों का निरीक्षण करेंगे। इस संबंध में कांग्रेस के प्रदेश महासचिव उदय लखवानी गुरुवार को मंत्री आलमगीर के इस्लामपुर स्थित आवास पहुंचकर उन्हें छठ घाट का निरीक्षण करने का निमंत्रण दिया है। महासचिव उदय लखवानी ने बताया कि मंत्री आलमगीर आलम नगर परिषद क्षेत्र में स्थित सभी छठ घाट का निरीक्षण करेंगे और वहां सफाई व्यवस्था का जायजा लेंगे। मंत्री यहां 11:30 बजे पहुंच कर छठ घाट का निरीक्षण कर घाटों की समस्याओं से रूबरू होने के बाद बेहतर करने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश भी देंगे। पार्टी महासचिव उदय लखवानी के साथ पाकुड़ जिला के नए कांग्रेस जिला सचिव सोनू आलम, मोफिज अंसारी मंत्री आलमगीर आलम से मिले और उनसे आशीर्वाद ली।

विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। चांडिल। सराइकेला खरसावां जिला के चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के नीमडीह प्रखंड के अंतर्गत चिंगड़ा पारकीडीह गांव में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला की ओर से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में पीएलवी शुभंकर महतो ने ग्रामीण को जानकारी देते हुए कहा कि भारत के संविधान के सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक आपको स्वतंत्र विधिक सेवा प्रदान करना है और इसके लिए कोई खर्च नहीं करना है। यदि आप किसी भी प्रकार की विधि से पीड़ित हैं तो तत्काल प्राधिकार से संपर्क करें। इसके अतिरिक्त पीएलवी ने विभिन्न प्रकार की कानूनी जानकारी दी ।साथ ही कोई प्रकार की कानूनी पुस्तिका व पर्ची का वितरण किया ।मौके पर सुरुवाली माझी , कल्पना मार्डी , लीटा माझी , नकुल माझी , बीडीओं मार्डी उपस्थित हुए ।

संक्षिप्त समाचार

24 पीस बैटरी चोरी का मामला दर्ज

अमड़ापाड़ापाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। एटीसी टावर पाडेरकोला साइट से 24 पीस बैटरी चोरी का मामला थाने में दर्ज किया गया है। चंदन कुमार सिंह एटीसी टावर कंपनी के टेक्निकल के लिखित आवेदन पर अज्ञात चोरों के विरोध में मामला दर्ज किया गया है लिखित आवेदन में उल्लेख क्या है कि एटीएस टावर पाडेरकोला में लगाया गया है। 6 नवंबर की सुबह जब साइड फिर आया तो देखा कि एटीएस टावर का रूम का ताला टूटा हुआ है। रूम से 24 पीस 600 आ का बैटरी लगा हुआ था जिसमें अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई है काफी खोज भी नहीं करने के बाद भी कुछ पता ना चला। थाने में अज्ञात चोरों के विरोध में कांड दर्ज कर पुलिस के द्वारा शामिल की जा रही है।

गोली कांड के आरोपी इंद्रनील चटर्जी न्यायिक हिरासत में भेजे गए जेल

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जमीन विवाद में गोली कांड के आरोपी इंद्रनील चटर्जी को गुरुवार को नगर थाना पुलिस ने सीजेएम कोर्ट में पेश की। इंचार्ज सीजीएम अजय गुड़िया के आदेश पर इंद्र नील चटर्जी को न्यायिक हिरासत में मंडल कारा भेज दिया गया। इससे पूर्व इंद्रनील चटर्जी को सदर अस्पताल में ले जाकर मेडिकल चेकअप कराया गया। तत्पश्चात कोर्ट में प्रस्तुत कर उन्हें जेल भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि बुधवार को पाकुड़ हरिन दंगा बाजार में तेल टंकी के पास जमीन घेराबंदी को लेकर उसे पर उत्पन्न विवाद में इंद्रनील चटर्जी ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से गोली चला दी थी। गोली चलने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल होने पर फिलहाल उनका इलाज पश्चिम बंगाल के बरहमपुर में चल रहा है जो अब खतरे से बाहर बताया जा रहा है। पाकुड़ में जमीन विवाद को लेकर पहली बार हुई गोली कांड की घटना को लेकर पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस घटना को लेकर इंद्र नील चटर्जी की फुफेरी बहन अनिदिता जायसवाल ने नगर थाना में केस दर्ज कराया है।

विद्यालय में मनाया गया आयुर्वेद दिवस

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पाकुड़िया प्रखंड के आयुष ग्राम मोगलाबंध में गुरुवार को आयुष चिकित्सक डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा द्वारा मध्य विद्यालय मोगलबान्ध में आयुर्वेद दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक कर्मचारी एवं ग्रामीण लोग भी उपस्थित रहे । मौके पर डॉक्टर वीरेंद्र कुमार ने विद्यार्थी एवं उपस्थित ग्रामीणों का स्वास्थ्य चेकअप किया और विद्यालय के प्रधान अध्यापक गण और विद्यार्थी को औषधिय पोधे वितरण कर विद्यालय परिसर में लगाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थी ने औषधि पोधे की विशेषताओं को जानकर खुशी व्यक्त की तथा विद्यालय परिसर में औषधि पोधे लगाए। चिकित्सक डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा योग शिक्षक और विद्यार्थी को योग करने के लिए प्रेरित किया तथा कहा योग करने से निरोग रहेंगे स्वास्थ्य रहेंगे। डॉ विश्वकर्मा ने विद्यालय के प्रधानध्यापक प्रदीप कुमार साहा को भी औषधीय पोधे दे कर सम्मानित किया। इस दौरान सहायक मनोज कुमार वर्मा योग शिक्षक मनोज कुमार भंडारी, सरिता देवी आदि अन्य उपस्थित थे।

यूथ क्लब पाकुड़िया के मेंबर ने बीडीओ से की शिष्टाचार भेंट

पाकुड़िया/पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। यूथ क्लब पाकुड़िया के मुख्य सलाहकार प्रेम प्रकाश किस्कू एवं अन्य सक्रिय सदस्यों ने गुरुवार को प्रखण्ड विकास पदाधिकारी से शिष्टाचार मुलाकात कर उनसे परिचय प्राप्त किया एवं प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराया एवं उन समस्याओं के समाधान की दिशा में सार्थक पहल करने की अपील की। इस दौरान नवनियुक्त बीडीओ साइमन मरांडी को प्रतीक चिन्ह देकर भी सम्मानित किया। मौके पर यूथ क्लब पाकुड़िया के सचिव रविन्द्र मरांडी, कोर्नेलियस मरांडी, बापी टुडू, आदि अन्य शामिल हुए।

आयुर्वेद दिवस पर मोगला बांध मिडिल स्कूल में लगा मेडिकल चेकअप कैंप

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पाकुड़िया प्रखंड के आयुष ग्राम मोगलाबंध में गुरुवार को आयुष चिकित्सक डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा द्वारा मध्य विद्यालय मोगलबान्ध में आयुर्वेद दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक कर्मचारी एवं ग्रामीण लोग भी उपस्थित रहे। मौके पर डॉक्टर वीरेंद्र कुमार ने विद्यार्थी एवं उपस्थित ग्रामीणों का स्वास्थ्य चेकअप किया और विद्यालय के प्रधान अध्यापक गण और विद्यार्थी को औषधिय पोधे वितरण कर विद्यालय परिसर में लगाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थी ने औषधि पोधे की विशेषताओं को जानकर खुशी व्यक्त की तथा विद्यालय परिसर में औषधि पोधे लगाए। चिकित्सक डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा योग शिक्षक और विद्यार्थी को योग करने के लिए प्रेरित किया तथा कहा योग करने से निरोग रहेंगे स्वास्थ्य रहेंगे। डॉ विश्वकर्मा ने विद्यालय के प्रधानध्यापक प्रदीप कुमार साहा को भी औषधीय पोधे दे कर सम्मानित किया। इस दौरान सहायक मनोज कुमार वर्मा योग शिक्षक मनोज कुमार भंडारी, सरिता देवी आदि अन्य उपस्थित थे। इसके उपरांत गुरुवार को ही प्रखंड के फुलझींझरी ग्राम में आठवां आयुर्वेद दिवस ग्रामीणों के बीच मनाया गया । इस अवसर पर डॉ बीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा, डॉ शौरव विश्वाश, सहायक मनोज कु बर्मा सहित फुलझींझरी के ग्रामीण व स्कूली बच्चे मौजूद थे।

साक्षरता कार्यक्रम को लेकर मास्टर ट्रेनरों को दी गई प्रशिक्षण

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को प्रखंड संसाधन केंद्र हिरणपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुई। जिसमें डांगापाड़ा, तोड़ाई व कितताझोर संकुल संसाधन केंद्र के मास्टर ट्रेनर व स्वंय सेवकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का शुभारम्भ बीईईओ रफीक आलम ने किया। प्रशिक्षक सह शिक्षक अनिंदो साहा व आनन्द कुमार भगत द्वारा साक्षरता कार्यक्रम को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षक ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत सम्बन्धित गाँवो के निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाना है। इसको लेकर सभी एमटी व विटी सम्बन्धित गाँवो में जाकर सर्वे करेंगे कि कितने लोग निरक्षर है। इसके बाद सम्बन्धित स्वंयसेवकों द्वारा निरक्षरों को पढ़ाया जाएगा। इस मौके बीपीओ संजय जयसवाल, मास्टर ट्रेनर सुजीत कुमार चार, कुमुद कुमार साहा, मफिजुद्दीन अंसारी, नरेंद्र साहा, खबीर अंसारी आदि उपस्थित थे।

प्रखंड संसाधन केंद्र में मध्य एवं उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक के साथ बीडीओ ने की बैठक

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड संसाधन केंद्र लिट्टीपाड़ा में गुरुवार को सभी मध्य एवं उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक के साथ बीडीओ श्रीमान मरांडी कि अध्यक्षता में एक आवशयक बैठक हुई. जिसमें बीडीओ ने विद्यालय का संचालन ससमय करने हेतु सभी शिक्षकों को आवशयक दिशा निर्देश दिया गया. साथ ही विद्यालय में नामांकित सभी छात्र-छात्राओं को जनकल्याणकारी योजना का लाभ मिले, इसके लिए शिक्षकों को कार्य करने का निर्देश दिया गया. विद्यालय में छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए सभी शिक्षकों को बच्चों को पठन-पाटन सुचारू रूप से करने आवशयक दिशा निर्देश दिया गया. साथ ही सभी विद्यालयों में 18 वर्ष पूर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं का प्रपत्र 6 भरने के संबंध में आवशयक दिशा निर्देश दिया गया. मौके पर बीईईओ प्रकाश मंडल, विद्यानंद मुर्मू, बीपीओ आतिश कुमार भट्टाचार्य सहित प्रधान शिक्षक मौजूद थे.

चोरी से बिजली जलाने पर बेकरी पर लगा 2 लाख का जुर्माना

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिले में बुढ़ियाखाद अवस्थित बेकरी फैक्ट्री में बिजली विभाग ने छापा मारा। छापेमारी के दौरान बिजली विभाग के पदाधिकारियों ने बेकरी संचालक को अवैध तरीके से बिजली का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा।

विद्युत विभाग ने बेकरी संचालक नियाज अहमद के खिलाफ केस दर्ज कराते हुए 2 लाख 3 हजार का जुर्माना लगाया। बता दें कि पिछले कई माह से बेकरी संचालक द्वारा बिजली चोरी की जा रही थी।इसी क्रम में बिजली विभाग के पदाधिकारियों को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस बल के साथ छापेमारी की गयी। वहीं छापेमारी के दौरान भी बिजली चोरी कर बेकरी में बिस्कुट समेत कई प्रकार के आईटम तैयार किये जा रहे थे। हालांकि दुकानदार नियाज ने अपने बचाव में कई मनगढ़त कहानी बनायी,लेकिन बिजली विभाग के पदाधिकारियों ने थाना में आरोपी बेकरी संचालक के खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

पालोजोरी कांग्रेस कमिटी के नये अध्यक्ष के रूप में चुन्ना मरांडी को मिला दायित्व

पालोजोरी /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गुरुवार को पालोजोरी प्रखंड के एवरग्रीन मैदान में जिला कांग्रेस कोर कमिटी के नेतृत्व में बैठक हुआ संपन्न। वहीं इस मौके पर पालोजोरी कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए नये अध्यक्ष का विस्तारीकरण किया गया। साथ ही वहीं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चुन्ना मरांडी की देखरेख में किया गया। जबकि कांग्रेस जिला सचिव सुभाष चंद्र मंडल ने चुन्ना मरांडी को पालोजोरी प्रखंड अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। वहीं इस मौके पर सुभाष चन्द्र मंडल ने कहा की कांग्रेस के हाथ को मजबूत करने की बात कही गई। साथ ही वहीं पालोजोरी प्रखंड उपाध्यक्ष पद के रूप में विकास कुमार मरांडी को मनोनीत किया गया। इस मौके पर नटराज प्रदिप सारठ अध्यक्ष साथ ही सुशील बेसरा, रमेश हांसदा, दिनेश मुर्मू, नंदकिशोर हेम्ब्रम ,अमित बेसरा सहित दर्जनों अन्य बधाई दी व मौके पर मौजूद रहे।

नीमडीह के समानपुर के सबर बस्ती में लगा विशेष आधार पंजीकरण शिविर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। चांडिल। सराइकेला खरसावां जिला के चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के नीमडीह प्रखंड अंतर्गत समानपुर पंचायत के सबर बस्ती में प्रखंड विकास पदाधिकारी नीमडीह के निर्देश पर आधार कार्ड पंजीकरण का लगा विशेष शिविर।सबर बस्ती में रहने वाले निवासियों के पहचान पत्र नहीं होने के कारण केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाए जाने वाली जन कल्याणकारी योजनाएं एवं मूल भूत सुविधाओ से वंचित रहा हे। जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी के. एस. अविनव ने बताया पिछले दिनों समानपुर पंचायत के सबर बस्ती के ग्रामीणों से कई तरह के समस्यायों से जिसमे से आधार कार्ड,राशन कार्ड नही होने सहित कई मामले देखने को मिला हे।समस्या को निदान करने के लिए सर्व प्रथम आधार कार्ड का पंजीकरण होना महत्पूर्ण था,जिससे लेकर आज सबर बस्ती में आधार पंजीकरण एवं सुधार के लिए विशेष शिविर लगाया गया। शिविर में 30 लोगो का आधार पंजीकरण आधार कार्ड में सुधार किया गया।

घूमने लगे कुम्हारों की उम्मीदों के चाक, दिवाली पर दीयों से घर करेंगे रोशन, लाएंगे खुशहाली

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हिरणपुर (पाकुड़)। दीप पर्व दीपावली नजदीक आ चुकी है ऐसे में दूसरों के घरों को रोशन करने के साथ ही अपने घर भी खुशियां लाने की उम्मीदों से कुम्हारों का चाक घूमना शुरू हो गया है हिरनपुर मे अलग-अलग जगहों पर दियों के बाजार सजने लगे हैं चाइनीज सामानों के बहिष्कार इन कुम्हारों की उम्मीदें और बढ़ा रहा है दीप पर्व पर मिट्टी के दिए से घर को रोशन करने की परंपरा सदियों पुरानी है इसका अपना महत्व भी है ऐसे में दीपावली के नजदीक आते ही कुम्हार दिए बनाने के काम मे

तेजी से जुड़ गए हैं उन्हें उम्मीद है कि इस बार उनकी दीपावली भी रोशन रहेगी मिट्टी के दीपक मटकी आदि बनाने के लिए माता-पिता के साथ उनके बच्चे भी हाथ बटा रहे हैं कोई मिट्टी गूंथने में लगा है तो किसी के हाथ चाक पर मिट्टी के बर्तनों को आकर दे रहे हैं हालांकि पिछले कुछ समय में आधुनिकता के इस दौर में दीयों का स्थान बिजली के झालरों ने ले लिया है ऐसे में कुम्हार के सामने आजीविका का संकट गहरा गया है

चाइनीस झालरों ने इन कुम्हार को और चोट पहुंचाई हैं इस कारण वर्ष भर इस त्यौहार की प्रतीक्षा करने वाले कुम्हार की दीपावली अब पहले की तरह रोशन नहीं रही मगर पिछले कुछ वर्षों से स्वदेशी निर्मित उत्पादों के प्रयोग को लेकर कई समाजसेवी संगठन खड़े हुए है कुम्हार दिवाली में भी ऐसे ही स्वदेशी दियों का ग्राहक मिलने की उम्मीद कर रहे हैं उन्हें उम्मीद है कि एक बार फिर से उनके अच्छे दिन लौटेंगे इसी उम्मीद के साथ उनकी चाक का पहिया घूमने लगा है कुम्हारों को अब उम्मीदें जगाने लगी है कि इस बार मिट्टी के दिया ज्यादा बिकेंगे इससे उनकी दीपावली भी पहले से बेहतर होगी भला हो भी क्यों नहीं? क्योंकि आत्मनिर्भर भारत के बीच भोकल फॉर लोकल पर अब लोगों का ज्यादा झुकाव होने लगा हैं यही वजह है कि कुम्हार सुबह से लेकर रात तक मिट्टी के दिए, मूर्ति,खिलौने और अन्य सामान बनाने में जुड़े हैं।

संक्षिप्त समाचार

11 परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरने की तिथि घोषित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा कुल 11 परीक्षाओं के लिए परीक्षा फार्म ऑनलाइन भरने की तिथि घोषित कर दी गयी . इस परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थी 10 से 24 नवम्बर 2023 तक ऑनलाइन आवेदन विश्वविद्यालय का आधिकारिक वेबसाइट से भर सकते है एवं परीक्षा प्रपत्र भरने के बाद परीक्षार्थी को फॉर्म का हार्ड कॉपी अपने सम्बन्धित महाविद्यालय में 25 से 28 नवम्बर के बीच जमा करना होगा.

1. बीएससी नर्सिंग थर्ड ईयर, सत्र 2020-24
2. बीएससी नर्सिंग फोर्थ ईयर, सत्र 2019-23
3. बीपीटी सेमेस्टर-7, सत्र 2018-22
4. बीएससी ओफ्थाल्मिक थर्ड ईयर, सत्र 2020-23
5. बीएससी एमएलटी थर्ड ईयर, सत्र 2020-23
6. बीफार्मा सेमेस्टर-4, सत्र 2020-24
7. बीफार्मा सेमेस्टर-5, सत्र 2019-23
8. बीफार्मा सेमेस्टर-7, सत्र 2018-22
9. एलएलबी सेमेस्टर-1 स्पेशल ओल्ड कोर्स
10. एलएलबी सेमेस्टर-3, सत्र 2019-22
11. एलएलबी सेमेस्टर-6, सत्र 2018-21

सोनू आलम बने पाकुड़ जिला कांग्रेस सचिव, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सोनू आलम को पाकुड़ जिला कांग्रेस सचिव के पद पर मनोनीत किया है। सोनू आलम को कांग्रेस जिला अध्यक्ष कुमार सरकार ने कांग्रेस जिला सचिव बनाए जाने पर उन्हें प्रदेश अध्यक्ष का अनुमोदन पत्र उन्हें पार्टी कार्यालय में गुरुवार को सोपा। कांग्रेस जिला अध्यक्ष कुमार सरकार ने सोनू आलम को जिला सचिव की पद की जवाब दे ही मिलने पर उन्हें बधाई दी और शुभकामना दी। इसके अलावा कांग्रेस महासचिव कृष्ण यादव और जिला कारकानी सदस्य मोफिज अंसारी को सचिव पद की जिम्मेवारी दिए जाने पर उन्हें भी पत्र सोपा। पार्टी के नई जिम्मेदारी मिलने पर सोनू आलम, कृष्ण यादव और मोफिज अंसारी ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम और कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम , उदय लखवानी के प्रति आभार प्रकट की है। इन तीनों ने कहा कि पार्टी ने जो हमें संगठन को लेकर जिम्मेदारी दी है उसके प्रति पूरी निष्ठा से संगठन को बढ़ाने का काम करेंगे और पूरी ईमानदारी के साथ संगठन के प्रति निष्ठावान होकर संगठन को मजबूती देंगे।

इंटर महाविद्यालय शिकारीपाड़ा द्वारा व्याख्याताओं की नियुक्ति हेतु लिया गया साक्षात्कार

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। परिसदन दुमका में इंटर महाविद्यालय शिकारीपाड़ा के शासी निकाय के अध्यक्ष व शिकारीपाड़ा विधायक नलिन सोरेन की उपस्थिति में रसायन शास्त्र ,भौतिक , जीव विज्ञान ,वनस्पति विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, वाणिज्य एवं इतिहास विषयों का अंतवीक्षा(साक्षात्कार) कार्य सेवानिर्वत प्राचार्य व झारखंड अधिविध परिषद रांची के सदस्य डॉ अजय कुमार गुप्ता एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी आशीष हेम्ब्रम के द्वारा लिया गया। मौके पर शिकारीपाड़ा महाविद्यालय के सचिव घनश्याम प्रसाद साह, प्रभारी प्राचार्य अनादी कुमार गोराई, सहयोगी व्याख्याता विलास प्रसाद पाठक मौजूद थे ।

एसडीओ और डीटीओ ने की वाहनों की जांच

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। नियमित जांच अभियान के तहत गुरुवार को शिकारीपाड़ा में दुमका रामपुरहाट मुख्य पथ पर शिकारीपाड़ा महाविद्यालय के निकट वाहनों की जांच की गई। इस जांच अभियान में एसडीओ दुमका कौशल कुमार , डीटीओ दुमका, प्रखंड विकास पदाधिकारी एजाज आलम, अंचलाधिकारी शिकारीपाड़ा कपिल देव ठाकुर एवं शिकारीपाड़ा थाने की कर्मी मौजूद थे । जांच के क्रम में गिट्टी लदे कई वाहनों को रोक कर उनके कागजातों की जांच की गई एवं वाहन चालकों के द्वारा शराब के सेवन की भी जांच की गई। जांच के क्रम में एक बालू लदा ट्रैक्टर जप्त किया गया जबकि अन्य दो वाहन भी जप्त हुए हैं। इस संबंध में एसडीओ कौशल कुमार ने बताया कि यह एक नियमित जांच अभियान है और सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सड़क पर ओवरलोडेड वाहनों, बिना परिवहन चालान के चल रहे अवैध वाहनों के साथ-साथ वाहन चालकों के द्वारा शराब के सेवन की भी जांच की जा रही है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई दीपावली, काली पूजा एवं छठ पर्व के दौरान विधि व्यवस्था संधारण को लेकर बैठक

- **वरीय पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, ग्रामीण एसपी, एसडीएम धालभूम, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर समेत अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी रहे मौजूद**
- **विसर्जन/ छठ घाटों की साफ-सफाई, घाटों पर पर्याप्त विद्युत व्यवस्था, माइकिंग, नाव, गोताखोर की तैनाती, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था आदि को लेकर दिया गया आवश्यक दिशा-निर्देश**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में आगामी दीपावली, काली पूजा एवं छठ पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण को लेकर जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गई । बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक श्री किशोर कौशल, उप विकास आयुक्त श्री मनीष कुमार, ग्रामीण एसपी श्री ऋषभ गर्ग, एसडीएम धालभूम श्री पीयूष सिन्हा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री राजीव रंजन समेत अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। अगामी पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित हों इसके लिए प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के तैयारियों की गहन समीक्षा की गई । जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि जिले वासी एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए आपसी भाईचारा एवं हर्षोल्लास से त्यौहार मनायें ।

- **विधि व्यवस्था संधारण में बाधा उत्पन्न करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई**

जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि सभी नागरिकों की सुरक्षा जिला प्रशासन की प्राथमिकता है । उन्होने काली पूजा को लेकर स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रतिमा विसर्जन में प्रयुक्त होने वाले वाहन के चालकों को आईडी कार्ड उपलब्ध कराया जाए । जिलेवासियों से अपील किया कि त्यौहार में अश्लील गाना नहीं बजायें जिससे सामाजिक या साम्प्रदायिक तनाव किसी प्रकार से उत्पन्न हो । सभी संबंधित पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में मूर्ति विसर्जन जुलूस में डीजे के प्रयोग का मॉनिटरिंग सुनिश्चित किया जाए। सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने वाले शरारती तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया ।

जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि दीपावली पर्व के अवसर पर पटाखे के बिक्री करने वाले दुकानों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। घनी आबादी क्षेत्र में पटाखों का संग्रहण न किया जाए। साथ ही हाई डेसीबल वाले अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों पर पूर्णतः रोक लगाने का निर्देश दिया । छठ घाटों की ससमय साफ-सफाई, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, छठ घाट में डेंजर डोन चिन्हित करने, बेरिकेडिंग, सभी छठ घाटों से नाविक और गोताखोर को टैग करने का निर्देश दिया गया। सभी नगर निकायों एवं जुस्को प्रतिनिधि को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि साफ-सफाई ससमय करा लें जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार से असुविधा नहीं हो । भीड़भाड़ वाले स्थानों पर ड्रॉप गेट लगाने, छठ घाटों की ओर जाने वाले सभी पहुंच पथ को मोटरेबल बनाने, माइकिंग व्यवस्था दुरुस्त रखने, विद्युत पोल एवं रोशनी की व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा सुगम यातायात व्यवस्था बनाये रखने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश गया । सिविल सर्जन को एंबुलेंस की उपलब्धता तथा अस्पतालों को आकस्मिक स्थिति के लिए अलर्ट रखने का निर्देश दिया गया।

- **सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम, मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल की रहेगी पर्याप्त तैनाती**

वरीय पुलिस अधीक्षक ने बताया कि त्यौहार को देखते हुए सभी संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों के साथ साथ पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी । वाहनों की सघन जांच करने तथा ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। प्रतिमा विसर्जन में प्रयुक्त होने वाले वाहन चालकों का थाना स्तर से वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए । काली पूजा को लेकर विसर्जन रूट का भौतिक सत्यापन किए जाने, थानावार छठ घाटों का अविलंब भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी घाटशिला, जिला परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी घाटशिला, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, नगर निकाय के पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता विद्युत, पथ निर्माण विभाग, सभी पुलिस उपाधीक्षक, सीओ मानगो व जमशेदपुर सदर व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे ।

बीआरपी सीआरपी की बैठक हुआ आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में गुरुवार को बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूनम कुमारी टोप्पो के अध्यक्षता में सावित्रीबाई फुले एवं किशोरी समृद्धि योजना से वंचित बालिकाओं का आवेदन उपलब्ध कराने के लिए बीआरपी सीआरपी की एक बैठक आयोजित की गई ।जिसमें प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुधा कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं बीआरपी -सीआरपी ने भाग लिया ।

इस दौरान बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूनम कुमारी टोप्पो ने उपस्थित बीआरपी सीआरपी को सावित्रीबाई फुले एवं किशोरी समृद्धि योजना में पूर्व में प्राप्त आवेदनों की सूची उपलब्ध कराते हुए सभी बीआरपी सीआरपी से सूची का मिलान कराते हुए सत्यापन कराया एवं छूटी हुई बालिकाओं की सूची तैयार कर तीन दिन के अंदर पूर्ण आवेदन प्रखंड कार्यालय में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। इस मौके पर बीपीओ विनोद कुमार, महिला पर्यवेक्षिका एवं सभी बीआरपी सीआरपी मौजूद थे।

लखनपुर काली मेले की हुई सैरात बंदोबस्ती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । लोक आस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन प्रारंभ होने वाले दो दिवसीय लखनपुर काली मेले की गुरुवार को सैरात बंदोबस्ती हुई ।सैरात बंदोबस्ती के लिए रामगढ़ के प्रखंड कार्यालय सभागार में लखनपुर के सोलह आना रैयतों की आमसभा आयोजित की गई ।बंदोबस्ती के लिये प्रशासन ने सुरक्षित राशि 41,113 रुपए निर्धारित की थी ।वित्तीय वर्ष 2022-2023 में मेले की बंदोबस्ती लखनपुर के गिरधारी मंडल के नाम से 35,750 रुपए में हुई थी ।लेकिन वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिये गुरूवार को बंदोबस्ती के लिए आयोजित आमसभा में लखनपुर के गिरधारी मंडल तथा सुलेंद्र मंडल के बीच मेले की सैरात बंदोबस्ती अपने नाम कराने के लिये होड़ मच गई ।बोली की लंबी प्रक्रिया के बाद एक लाख छः हजार रुपए की उच्चतम बोली लगाने वाले सुलेंद्र मंडल के नाम सैरात को प्रशासन द्वारा बंदोबस्त कर दिया गया ।सीओ सह बीडीओ अभय कुमार के निर्देश पर आयोजित आम सभा में प्रखंड प्रमुख बाबूलाल मुर्मू उप प्रमुख श्रीकांत राउत, मुखिया शनि मरांडी,उप मुखिया परमानंद पंडित प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी आशीष रंजन, लखनपुर के ग्राम प्रधान सहित सोलह आना रैयत उपस्थित थे।

इमामुल हाई खान लॉ कालेज को बेस्ट लीगल एड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन का मिला सम्मान

- **जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो (डालसा) द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर कालेज प्रबंधन को किया गया सम्मानित**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बोकारो। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो कुमारी रंजना अस्थाना के कुशल मार्गदर्शन में गुरुवार को इमामुल हाई खान लॉ कालेज में नेशनल लीगल सर्विस डे पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो (डालसा) द्वारा निःशुल्क प्रदान की जाने वाली विभिन्न कानूनी सुविधाओं के संबंध में बताया गया। इस अवसर पर इमामुल हाई खान लॉ कालेज को बेस्ट लीगल एड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के तौर पर डालसा द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही बेस्ट पैनल अधिवक्ता,प्रीति को उत्कृष्ट परिवार वाद संबंधी

मामलों के लिए एवं उत्कृष्ट (सामुदायिक) पारा लीगल वालेंटियर के रूप में यदु महतो को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो से योगेश कुमार सिंह,प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो लुसी सोसेन तिग्गा, न्यायिक दण्डाधिकारी समीरा खान,लीगल ऐड डिफेंस के चीफ आनंद वर्धन,लीगल ऐड डिफेंस के सदस्य,पारा लीगल वॉलेंटियर यदु महतो,रतिलाल कुम्भकार, दिगम्बर दुबे आदि उपस्थित रहें ।उक्त आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो की सचिव निभा रंजना लकड़ा ने दी।

विष्णुगढ़ प्रशासन की बड़ी कामयाबी 1536 बोतले अंग्रेजी अवैध शराब की जप्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

विष्णुगढ़/हजारीबाग। शराब तस्करों के मंसूबों को किया विफल विष्णुगढ़ प्रशासन ने छापेमारी कर पकड़े 1536 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब की बोतलें। विष्णुगढ़ पुलिस को मिली गुप्त सूचना के अनुसार सफेद रंग की पिकअप वैन में शराब तस्कर अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी कर उसे बिहार ले जा रहे थे। जिसकी सूचना मिलते हीं विष्णुगढ़ थाना प्रभारी ने तो त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम का गठन किया । जिसके बाद छापेमारी अभियान शुरू किया गया। चेकिंग के दौरान पिकअप वैन वहां पर आई जिसमें बाहर से बैंगन और गोभी की सब्जियां काफी भारी मात्रा में लादी गई थी। जिसके भीतर शराब की पेटियों को छुपा कर रखा गया था । बता दें कि कुल 64 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब जिसमें 28 पेटी रॉयल चैलेंजर्स ब्रांड की शराब और 36 पेटी रॉयल स्टैग ब्रांड की अंग्रेजी शराब लदी हुई थी (375ml) । गिनती करने पर कुल पेटियों में 1536 बोतल शराब बरामद हुई । पिकअप वैन जेएच 02 बीएम 0698 को कब्जे में ले लिया गया है, लेकिन मौके से शराब तस्कर फरार होने में कामयाब हुए। जिसके बाद पुलिस ने कांड संख्या 268/2023 धाराएं ,420,467,468,272,273,290 तथा भादवि 47 (E) उत्पाद अधिनियम के भीतर मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है । छापेमारी टीम में एसडीपीओ अनुज उरांव तथा थाना प्रभारी राम नारायण सिंह शामिल रहे।

क्षणिकाएँ

मुजरिम

1.
वो,
प्रतिनिधि सभा में,
धारा प्रवाह में,
भूलवश ,
अपने बोले शब्दों पर,
अभिव्यक्तियों पर,
व्यथित हैं,
शर्मसार हैं,
जन- भावनाओं में उतर,
माफ़ीनामा के दौरान ,
सभा के बीच जब,
किए अपने को निंदा है ,
हुए शर्मिंदा हैं;
ये बड़प्पन रही उनकी,
जो करबद्ध हो गए,
फिर भी,
न जाने क्यों?
दोषी महिला अपमान का ,
बता सुर्खियों में चल रहे है!
औ' देने को सजा,
अर्थ को अनर्थ कर,
घूम रहा बिकाऊँ मीडिया भी,
कि क्यों?
कुर्सी पर !
अब भी वो बैठा हैं!
मानो,
सत्ता के गलियारे में,
सौ खूनों का मुजरिम ,
घूम रहा शहर में जिंदा हैं ।

सवाल

2.
वो,
कहते हैं कि,
किये वादे से,
लिए संकल्पों से,
एक कदम पीछे नही हटेंगे,
वीरों के भाँति डटे रहेंगे;
ग़र यह उनके,
बुलंद हौसले व सच्चाई है तो ?
हो गर्व जनता को भी,
पर,
सवाल यह भी है कि ,
कब तक विषमताओं,
कुव्यवस्थाओं, भ्रष्टाचार आदि के,
आचरणों से पटें रहेंगे?
जाति, धर्म, भाषा के नाम,
आपस में बंटे रहेंगे?

पटाक्षेप

3.
वो,
विवि के शैक्षिक संस्कारों से,
अपेक्षित कदम न चलने के,
नीरस बातों से,
संकीर्ण व्यवहारों से,
अकादमिक कार्यों से,
हैं खासे चिंतित नाराज़ ;
ग़र यह पटाक्षेप हैं!
तो प्रक्षेपण भी!
हैं बागडोर सुधार के उनके हाथ,
हर निर्णय में लोग देते जब साथ,
फिर इसमें,
आश्चर्य भला कैसी?
कदम बुलंद उठाने में,
यथार्थ कर दिखाने में,
बदल जायेगा पल में माहौल,
यदि?
चलते हैं विश्वासों की राह,
उतर मानकों पर खड़े- खरा,
औ' दे मनमानी को लगाम,
तो ,
निःसंदेह,
बातें बनेगी अपेक्षित ,
होगी सुंदर, सलोना व्यवस्था,
गुणवत्ता करेगी हर महफ़िल राज।

प्रस्तुति
डॉ विनोद कुमार शर्मा
(नैदानिक मनोवैज्ञानिक) ,
असिस्टेंट प्रोफेसर,
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका ।

छात्रों पर हुए मुकदमे को उठाने का दिखावा कर रहे मुख्यमंत्री : बाबूलाल मरांडी

रांची,। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भारत बंद के दौरान छात्रों पर हुए मुकदमों को उठाने का दिखावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को मुकदमा उठाने के साथ उनके चार वर्षों के कार्यकाल में आदिवासियों, दलितों पर अत्याचार करने वालों पर कठोर कार्रवाई भी करनी चाहिए थी।

मरांडी ने कहा कि ईडी की जांच में फंसे मुख्यमंत्री हताश, परेशान हैं। पिछले चार वर्षों से आदिवासी, दलित समाज पर कहर बरसाने वाले, उनकी जमीन को लूटने-लुटवाने वाले मुख्यमंत्री मुकदमा उठाने की घोषणा कर रहे हैं। इसका स्वागत है लेकिन मुख्यमंत्री बतायें कि आदिवासी दारोगा संध्या टोपनो को गोतस्करों के द्वारा ट्रक

से कुचल कर मारने वाले पर क्या कार्रवाई हुई। उनके विधायक प्रतिनिधि पर रूपा तिर्की के परिजनों के द्वारा लगाये गये आरोप पर क्या कार्रवाई हुई।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आदिवासी, दलित बच्चियों के साथ हुए हजारों दुष्कर्मों पर क्या कार्रवाई हुई। पहाड़िया बेटी को टुकड़ों में काटने वाले पर क्या कार्रवाई हुई। आदिवासी बेटी की दुष्कर्म व हत्या कर पेड़ पर लटकाने वाले पर क्या कार्रवाई हुई। मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार बनते ही चाईबासा में सात आदिवासियों की निर्मम हत्या हुई, अमर शहीद सिदो कान्हु के वंशज रामेश्वर मुर्मू की हत्या हुई। सुभाष मुंडा जैसे अनेक होनहार आदिवासी युवाओं की हत्या हेमंत सरकार की देन है।

उन्होंने कहा कि यह सरकार आदिवासी, दलित को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल रही है। लव जिहाद के मामलों में आदिवासी समाज की बेटियों पर धर्मांतरण के दबाव के मामले उजागर हो रहे। फिर भी सरकार तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति में मौन साधे बैठी है। जनजाति समाज अब हेमंत सरकार की नीति और नीयत को समझ चुका है।

झारखंड के इतिहास में 15 नवंबर का दिन स्वर्णाक्षरों में अंकित : बाबूलाल मरांडी

खूंटी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को खूंटी में 15 नवंबर को प्रधानमंत्री की होने वाली जनसभा स्थल का निरीक्षण किया तथा तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही भाजपा जिला कार्यालय खूंटी में जिलाध्यक्ष एवं पार्टी के जिला पदाधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा निर्देश भी दिए।

मरांडी ने कहा कि 15 नवंबर झारखंड के इतिहास में स्वर्णिम दिन है। ईश्वर ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जैसे महान विभूति को इस धरती पर भेजा। आगे भाजपा की सरकार ने बिरसा मुंडा के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए इसका गौरव बढ़ाया। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने इस मिट्टी की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए अलग झारखंड राज्य का निर्माण 15 नवंबर भगवान बिरसा जयंती को किया।अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजाति समाज के अमर बलिदानी भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस घोषित किया। राज्य की सीमाओं से ऊपर भगवान बिरसा मुंडा आज देश के सारे जनजाति समाज के गौरव हैं। वे भारत के गौरव हैं। मरांडी ने कहा कि भारत के ऐसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है जो भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने आ रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजाति समाज के साथ पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है। इसलिए प्रदेश की जनता उन्हें सुनने के लिए उत्साहित है।इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी,प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय,योगेंद्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित थे।

पूर्व विधायक अमित महतो बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से पांच माह बाद निकले

रांची। झारखंड सिल्ली के पूर्व विधायक अमित महतो को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद गुरुवार को वह बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से बाहर निकले हैं। अमित महतो 27 जून से जेल में बंद थे। उनके ऊपर सोनाहातु के तत्कालीन सीओ आलोक कुमार के साथ गाली-गलौच करने और दुर्व्यवहार करने का आरोप था।

इस मामले में अमित महतो को निचली अदालत ने दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी भी चली गई थी। रांची के निचली अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद अमित महतो ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जहां उच्च न्यायालय के डबल बेंच के न्यायाधीश एस चंद्रशेखर एवं न्यायाधीश रत्नाकर भेंगरा की खंडपीठ ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए दो साल की मिली सजा को कम करते हुए एक साल कर दी थी।

इसी बीच वह सजा को काटने को लेकर 27 जून को अमित महतो ने रांची के निचली अदालत में सरेंडर किया था। तब से वह जेल में बंद थे। इस दौरान उन्होंने निचली अदालत एवं उच्च न्यायालय में भी जमानत की गुहार लगाई थी, जहां से उन्हें राहत नहीं मिली, इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जहां उन्हें बीते सोमवार छह नवंबर को जमानत मिल गई। इसके बाद वह जेल से बाहर निकले जेल से बाहर निकालने के दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया।

यह माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अमित महतो ने सरेंडर किया था। उन्होंने अपनी आधी सजा काट ली, ताकि आगामी चुनाव में उन्हें किसी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े। क्योंकि, उनकी विधायकी दो साल की सजा मिलने के कारण चली गई थी। ऐसे में झारखंड हाई कोर्ट के द्वारा सजा कम करने पर वह अब चुनाव लड़ सकेंगे।

पूर्व विधायक अमित महतो ने जेल से निकलते ही पत्रकारों से बातचीत में कहा कि झामुमो में वापसी अब संभव नहीं है। झामुमो को अब चुनाव के समय पता चलेगा कि कौन क्या है। सांसद हो या फिर विधायक खतियानी के बारे में सोचने वालों का मेरा समर्थन रहेगा। चुनाव से पूर्व पत्रकारों के समक्ष खुलासा करुंगा की किसके समर्थन में चुनाव लड़ना है।

भाजपा नेता रघुपाल सिंह समर्थकों के साथ राजद में शामिल

रांची। राजद के रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मिलन समारोह में भाजपा के मनिका के उम्मीदवार रहे रघुपाल सिंह ने समर्थकों के साथ राजद की सदस्यता ग्रहण की। राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, राज्य सरकार के मंत्री सत्यानंद भोगता, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान एवं चतरा लोकसभा के पूर्व उम्मीदवार सुभाष यादव ने संयुक्त रूप से रशीद देकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाया। इस दौरान पार्टी में सभी शामिल हुए नेताओं को फूल माला और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। सदस्यता लेने के बाद रघुपाल सिंह ने कहा कि झारखंड में भाजपा से आदिवासियों का मोह भंग हो चुका है, जिसका नतीजा

है कि पिछले विधान सभा चुनाव में दो ही आदिवासी विधायक जीत पाए। वर्ष 2024 के चुनाव में भाजपा का जाना तय है। झारखंड से भाजपा का जनाधार समाप्त होते जा रहा है। लालू और तेजस्वी यादव के नीति और सिद्धांत से प्रभावित होकर आज हम हजारों कार्यकताओं के साथ राजद की सदस्यता ग्रहण किये है।

राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि राजद का संगठन पूरे झारखंड में मजबूत है। खासकर पलामू प्रमंडल में एक समय में हम लोग सभी सीट पर जीत दर्ज करते थे और आज भी वहां हम मजबूत स्थिति में है। हमारी तैयारी चल रही है। हम संगठन को मजबूत करने में लगे हुए हैं। छठ के बाद पूरे विधानसभा में 22 नवम्बर को कार्यकर्ता सम्मेलन करेंगे। सभी जिला प्रभारी अपने-अपने जिला में जाकर संगठन को मजबूत करने में लगे हुए हैं।राज्य सरकार के मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि अभी यह झांकी है। बहुत कुछ अभी बाकी है। राजद का जनाधार पूरे झारखंड में है। पार्टी की तैयारी चल रही हैष आने वाले चुनाव में गठबंधन के तहत सभी सीट जीतेंगे। मिलन समारोह में पूर्व सांसद कामेश्वर बैठा, उपाध्यक्ष श्यामदास सिंह, अनीता यादव, लक्ष्मण यादव, युवा अध्यक्ष रंजन यादव, मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

झारखंड स्थापना दिवस 15 नवंबर को, मुख्यमंत्री करेंगे कई योजनाओं का ऐलान

रांची। झारखंड स्थापना दिवस 15 नवंबर को है। राज्य सरकार अपने कार्यकाल के चौथे वर्ष में झारखंड के 25वें स्थापना दिवस को समारोहपूर्वक, भव्य एवं आकर्षक तरीके से मनाएगी। इसकी तैयारी भी शुरू हो चुकी है। इस स्थापना दिवस पर होनेवाले समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कई तरह की योजनाओं का एलान करेंगे। इसकी भी तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इन योजनाओं का होगा ऐलान

-खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से गरीबों की दाल वितरण योजना 15 नवंबर से शुरू करने की तैयारी है।

-झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम अभियान-3 की शुरूआत करेंगे।

- अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के साथ सरकार एमओयू करेगी। अजीम प्रेमजी विवि एक ही कैंपस में तकनीकी शिक्षा से लेकर मेडिकल, बिजनेस आदि की सुविधा देगी।

-रांची स्मार्ट सिटी परिसर में अपोलो मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल चेन्नई की आधारशिला रखी जाएगी, जहां पहले चरण में ओपीडी शुरू होगी। बाद में 250 बेड का अस्पताल बनेगा।

-रांची में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। लाभुकों को ऑन स्पॉट लाभ देने की सुविधा भी होगी। जिलों में भी प्रदर्शनी लगेगी।

-राज्य सरकार ने अपने कर्मियों की कार्यक्षमता में वृद्धि के लिए प्रशिक्षण नीति 2023 तैयार की है। इसकी घोषणा की तैयारी है।

-झारखंड आंदोलनकारियों के लिए विशेष पैकेज का ऐलान होगा। अब तक चिन्हित आंदोलनकारियों को सरकार सम्मानित कर सकती है, उन्हें सम्मान राशि भी मिल सकती है।

- इस बार राज्य गठन का 24 साल खत्म होकर 25 वें साल में प्रवेश करेगा। इसलिए इस बार जिला एवं प्रखंड वार स्थापना दिवस मनाने की भी तैयारी चल रही है।

-सभी चौक चौराहों की होगी आकर्षक विद्युत सज्जा।

इस बार स्थापना दिवस समारोह के दौरान शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, सचिवालय, स्वतंत्रता सेनानियों, झारखंड के शहीदों के नाम से बने चौक को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा।

इसकी विशेष तैयारी नगर निगम और जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है।

हाई कोर्ट में झारखंड विधानसभा नियुक्ति घोटाला मामले की अगली सुनवाई सात दिसंबर को

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में विधानसभा में नियुक्ति मामले में हुई गड़बड़ी को लेकर शिव शंकर शर्मा जनहित याचिका की सुनवाई गुरुवार को हुई। मामले में महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद कमीशन की रिपोर्ट एसजे मुखोपाध्याय आयोग से राज्य सरकार को मिल चुकी है, अब आगे की कार्रवाई की जाएगी।इस पर चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सात दिसंबर को मामले की अगली सुनवाई करते हुए जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट पर राज्य सरकार की कार्रवाई के संबंध में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। सुनवाई के दौरान विधानसभा के सचिव की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल कर बताया गया कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय आयोग से मांगा गया है लेकिन यह रिपोर्ट अब तक विधानसभा के पास नहीं पहुंची है। मामले की अगली सुनवाई सात दिसंबर को होगी।पूर्व की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि विधानसभा में गलत तरीके से नियुक्त अधिकारियों की प्रोन्नति के लिए आयोग से सुझाव मांगा गया है।

राज्य में पर्व-त्योहार पर पटाखे फोड़ने का समय निर्धारित

रांची, । झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद ने पटाखे फोड़ने का समय तय किया है। दीपावली पर्व पर रात 8-10 तक पटाखे चलाने की इजाजत होगी। छठ में सुबह छह से आठ बजे तक ही ऐसा संभव होगा। क्रिसमस और नव वर्ष के दिन मध्य रात्रि 11.55 से 12.30 बजे तक पटाखे दागे जा सकते हैं।सदस्य सचिव यतींद्र कुमार दास ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी, नई दिल्ली) ने वायु प्रदूषण की रोकथाम के संबंध में आदेश जारी कर रखा है। इसके आधार पर प्रदूषण नियंत्रण परिषद अपनी शक्तियों का उपयोग करेगा। ऐसे में जरूरी है कि दीपावली के दिन लोग शाम के आठ बजे से रात 10 बजे तक ही पटाखे फोड़ें। इसके अलावा छठ, क्रिसमस, नव वर्ष आदि त्योहारों के समय भी पटाखे मात्र दो घंटे चलाए जाएंगे।इस निर्देश के उल्लंघन पर आईसीसी की धारा 188 एवं वायु प्रदूषण निवारण और नियंत्रण एक्ट 1981 की धारा 37 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत विधि सम्मत कार्रवाई जिले के डीसी स्तर से की जाएगी। परिषद के मुताबिक झारखंड के सभी जिलों के शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता स्तर इस वर्ष अच्छी या संतोषप्रद स्थिति में है। ऐसे में वायु गुणवत्ता बनाए रखने के लिहाज से ऐसे ही पटाखों की बिक्री यहां होगी जिनकी ध्वनि सीमा 125 डीबी (ए) से कम हो।

सार-संक्षेप

हाई कोर्ट से रांची एसएसपी और धुर्वा थाना के तत्कालीन प्रभारी को नोटिस

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने रांची के एसएसपी, धुर्वा थाना के तत्कालीन प्रभारी प्रवीण कुमार और सब इंस्पेक्टर नारायण सोरेन को नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट ने झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी एवं होमगार्ड के जवान कृष्णा यादव के साथ मारपीट करने, गाली-गलौच करने, फर्जी प्राथमिकी दर्ज करने और केस का सुपरविजन स्वयं करने के खिलाफ दायर क्रिमिनल रिट पर सुनवाई की।

इस दौरान अदालत ने उक्त सभी को छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी एवं होमगार्ड जवान कृष्णा यादव की याचिका पर न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनोज चौबे ने पक्ष रखा।

लैंड स्कैम मामले में दिलीप घोष की जमानत पर हाई कोर्ट का फैसला सुरक्षित

रांची। झारखंड हाई कोर्ट बरियातू स्थित सेना की भूमि की खरीद-बिक्री घोटाले मामले में आरोपित अमित कुमार अग्रवाल और दिलीप घोष की जमानत याचिका पर सुनवाई गुरुवार को हुई। मामले में दिलीप घोष की ओर से बहस पूरी हो गई, जिसके बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया।

अमित कुमार अग्रवाल की जमानत पर बहस जारी है, जिस पर अगली सुनवाई 28 दिसंबर को होगी। मामले के दोनों आरोपितों की ओर से बताया गया कि इस मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। इसलिए जमानत प्रदान की जाए। जस्टिस दीपक रोशन की कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। ईडी कोर्ट ने इन दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की है।

हाई कोर्ट से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उषा मार्टिन के जीएम को मिली अग्रिम जनानत

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में मनी लांड्रिंग से जुड़े एक मामले में आरोपित उषा मार्टिन के जीएम प्रमोद कुमार फतेपुरिया की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई गुरुवार को हुई। न्यायाधीश राजेश कुमार की कोर्ट ने प्रमोद कुमार को अग्रिम जमानत प्रदान की।

पूर्व में कोर्ट ने उषा मार्टिन के जीएम प्रमोद कुमार फतेपुरिया के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक लगाई थी।प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने पैरवी की। उषा मार्टिन को आयरन अयस्क का एक्सपोर्ट करने की अनुमति नहीं थी। इसके बाद भी उषा मार्टिन की ओर से आयरन अयस्क को एक्सपोर्ट किया गया।इसके बाद ईडी ने मामले में केस दर्ज किया।

मामले को लेकर ईडी ने उषा मार्टिन के खिलाफ ईसीआईआर 2/2021 दर्ज किया था। इसी मामले में प्रमोद फतेपुरिया भी आरोपित हैं। उनकी ओर से हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है।

जेसीईआरटी में राज्यस्तरीय रोल प्ले एवं फोक डांस प्रतियोगिता आयोजित

रांची। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के तत्वावधान में गुरुवार को झारखंड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी) में राज्यस्तरीय रोल प्ले एवं फोक डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता का उद्घाटन प्राथमिक शिक्षा की निदेशक डॉ नेहा अरोड़ा ने किया। इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से चयनित 30 स्कूलों के स्कूली बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। राज्यस्तरीय रोल प्ले एवं फोक डांस प्रतियोगिता के विजयी दल को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। निर्णायक मंडली में विपुल नायक, सुजीत शर्मा और ओम प्रकाश शामिल थे।

मुख्यमंत्री को प्रकाश उत्सव में शामिल होने का दिया आमंत्रण

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि 27 नवंबर को गुरु नानक के 554वें प्रकाश उत्सव पर गुरु नानक स्कूल, पीपी कंपाउंड रांची में विशेष दीवान सजेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य ज्योति सिंह मथारू, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष गुरमीत सिंह, महासचिव गगनदीप सिंह शेट्टी, रणजीत सिंह हैप्पी, परमजीत सिंह टिंकू, तलविंदर सिंह, सरनजीत सिंह , राजदीप सिंह, नवजोत सिंह अलंग, हरविंदर सिंह, त्रिलोचन सिंह, ऋषि छाबड़ा, केशर सिंह और तजिंदर सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

चोरी की चार बाइक के साथ दो चोर गिरफ्तार

रांची। सुखदेवनगर थाना पुलिस ने दो बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों में राजा पाल और अकाश कुमार शामिल है। इनके पास से चोरी के अलग-अलग कंपनी के चार बाइक बरामद किया गया है।सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मिनाक्षी सिनेमा हॉल के पास से बाइक चोरी करते राजा पाल को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ के क्रम में राजा पाल के मुक्तीधाम स्थित किराये के मकान से एक और चोरी की बाइक बरामद कि गई। इसके निशानदेही पर लातेहार के चंदवा क्षेत्र से एक अन्य अभियुक्त आकाश कुमार को दो चोरी के बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया।जांच के क्रम में पाया गया कि चारों बरामद बाइक हिन्दपीढ़ी थाना, लोअर बाजार थाना, सदर थाना और अरगोड़ा थाना से चुराई गई है। इसके अलावे दोनों आरोपितों के जरिये सुखदेवनगर थाना एवं अन्य थाना क्षेत्र से और मोटरसाईकिल चोरी करने की बात स्वीकार की गयी है।

उत्तराखंड सिर्फ भूमि का टुकड़ा मात्र नहीं, यह देवभूमि है: राज्यपाल

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हिमालय की गोद में बसा उत्तराखंड सिर्फ भूमि का टुकड़ा मात्र नहीं है। यह देवभूमि है, जो जीवन जीने की शैली का पर्याय है। उन्होंने कहा कि इस राज्य की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की ओर वर्ष 2000 में की गई थी। उस समय उन्हें लोकसभा सदस्य रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

राज्यपाल गुरुवार को राजभवन में उत्तराखंड राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां की नदियां, ग्लेशियर, पहाड़, प्राकृतिक सौंदर्यता और सांस्कृतिक विरासत सबको आकर्षित करती है। यहां

के लोगों की सहजता, सरलता एवं आध्यात्मिकता हमें अच्छे मार्ग पर चलने का संदेश देती है। यहां पावन तीर्थ स्थलों के साथ साहसिक रास्ते और प्रसिद्ध पर्यटन स्थल आकर्षण के केंद्र है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से उत्तराखंड के पावन स्थलों में तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए आधारभूत संरचनाओं का विस्तार किया गया है। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है और मानवीय दृष्टिकोण के कारण उनकी सराहना विश्व स्तर पर हो रही है।

राज्यपाल ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा के साथ हम एक हैं और एक रहेंगे की भावना जन-जन तक पहुंच रही है। विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियों का आदान-प्रदान हो रहा है। लोग अपनी भाषा, सभ्यता और संस्कृति पर गर्व करने के साथ दूसरों की भाषा, सभ्यता और संस्कृति का सम्मान करते हैं। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत अनेकता में एकता का संदेश देती है।

गोड्डा में बाल संरक्षण एवं उसके विकास संबंधी विषयों पर किया गया जागरूक

गोड्डा। गुरुवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, महागामा एवं मेहरमा में बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों यथा बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल दुर्व्यवहार, बाल शोषण, ड्रापआउट, बाल संरक्षण से संबंधित सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से उन्हें आच्छादित करने संबंधित विषयों पर कार्यक्रम कर जागरूक किया गया। जहां कार्यक्रम की शुरुआत वार्डन द्वारा किया गया।इसी क्रम में प्रखंड कार्यालय महागामा व मेहरमा में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी के अभिभाषण से किया गया।डीसीपीओ रितेश कुमार ने कहा कि आर्थिक स्थिति से कमजोर वर्ग के लोगों एवं जोखिम परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों पर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि वे बाल तस्करी, बाल विवाह जैसी समस्याओं का शिकार ना हो सके। यदि आपके क्षेत्र में अनाथ, परित्यक्त एवं संकटग्रस्त परिस्थितियों में रह रह रहे जरूरतमंद बच्चे हो तो उसके विषय में ग्राम बाल संरक्षण समिति में चर्चा करें एवं विभाग को

सूची उपलब्ध करावें ताकि उनकी सहायता की जा सके ।संरक्षण पदाधिकारी, ओम प्रकाश ने उपस्थित सभी बच्चों एवं अन्य को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों के पालन पोषण एवं संरक्षण में माता एवं पिता की अहम भूमिका होती है। बच्चे सबसे ज्यादा करीब अपने माता पिता के होते है, अतः उनके साथ दोस्ताना व्यवहार करें। उनकी मनोभावना का सम्मान करें एवं उनके बातों को सुने। उन्हें अच्छे बुरे की पहचान करना सिखाये। बेटा बेटी को समान समझे। उनमे किसी तरह का भेदभाव न करे। श्री प्रकाश ने बेटियों को स्वर्ग की सीढ़ी बताते हुए कहा कि- बेटी है स्वर्ग की सीढ़ी, वह पढ़ेगी तो बढ़ेगी अगली पीढ़ी,उनके द्वारा अनाथ एवं अति जरूरत मंद बच्चो से संबंधित स्पॉन्सरशिप योजना के साथ साथ बाल विवाह से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में भी जानकारी दी गई।नेहा सिंह ने सभी को पोक्सो के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही गुड टच बेड टच के बारे में बताया।विकास चंद्र ने उपस्थित लोगों को बताते हुए कहा कि बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल मजदूरी आदि समस्याओं का निराकरण करना हम सभी का उत्तरदायित्व है। इसके लिए जनप्रतिनिधि, प्रशासन, विभाग एवं आमजन सभी को एकसाथ मिलकर काम करने की जरूरत है । जेएसएलपीएस के कर्मवीर जी ने कहा कि विकसित समाज के निर्माण के लिए बच्चों का शिक्षित होना आवश्यक है। बाल संरक्षण से संबंधित समस्याओं पर प्रभावी रूप से कार्य करने के लिए ग्राम स्तर की बाल संरक्षण समिति बनायी गई है।इस कार्यक्रम में डीसीपीओ रितेश कुमार, संरक्षण पदाधिकारी, ओमप्रकाश, विकास चंद्र, चाइल्ड हेल्पलाइन के राजेश जी, नेहा सिंह, कर्मवीर , प्रखंड कर्मी एवं 400 के करीब बच्चियां उपस्थित हुई।

सफलता के लिए जरूरी है प्रशिक्षण

इन्टर्नशिप या ट्रेनिंग सबसे ज्यादा प्रोफेशनल कोर्सिस के लिए मान्यनें रखती है। अधिकांश प्रोफेशनल कोर्सों में इंटर्नशिप को अनिवार्य माना जाता है। किताबी ज्ञान हासिल कर लेने के बाद जरूरी नहीं है कि किसी भी प्रोफेशनल इंडस्ट्री में आप बेहतर काम कर सके। किसी भी प्रोफेशनल कोर्स की ट्रेनिंग के बाद विद्यार्थियों को इस बात की भी जानकारी दी जाती है कि इंडस्ट्री में काम कैसे होता है।

इंडस्ट्री में मिलने वाली इसी प्रैक्टिकल टेऊनिंग को इन्टर्नशिप कहा जाता है। इन्टर्नशिप न की जाए तो रोजगार हासिल करने में बहुत सी दिक्कतें आ सकती है। काम का सही पाता न होना ही युवाओं को रोजगार से अधिक दिन के लिए दुर रखता है। जब एक कॉलेज स्टूडेंट किसी कंपनी में इंटर्नशिप शुरू करता है, तो पहली बार उसे ऑफिसली माहौल या प्रैक्टिकल वर्क के बारे में जानने का मौका मिलता है। ऑफिस का प्रोफेशनल माहौल कई बार स्टूडेंट्स के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है, लेकिन कुछ खास तैयारी और अच्छे इंटर्नशिप से आप कंपनी और उसके एंप्लॉइज के साथ एक मजबूत प्रोफेशनल रिलेशनशिप बना सकते हैं। मुमकिन है कि आगे चलकर इसका फायदा भी आपको जॉब के रूप में मिले।

इन्टर्नशिप वो मौका होता है, जिसे करके प्रोफेशनल कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स करियर संबंधित अनुभव प्रैक्टिकली तौर से प्राप्त करते है। इसके अंर्तगत युवा चुनौतिपूर्ण काम को हाथ में लेकर पूरा कर अपना प्रोफेशनल और पर्सनल तौर से विकास करते है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन्टर्नशिप वो प्रक्रिया है जिसमें विद्यार्थियों को खुलने और काम करने के अच्छे

अनुभव प्राप्त करने का मौका मिलता है। उन्होंने जो भी पढ़ाई कॉलेज में पढ़ी होती है उसको इन्टर्नशिप करने के दौरान प्रैक्टिकली तौर से उपयोग करने का अवसर प्राप्त होता है। इन्टर्नशिप एक ऐसा मौका होता है जिसमें थ्योरी और प्रैक्टिस दोनों के मेल के साथ काम के माहौल को देखने का भी मौका मिलता है।'' इन्टर्नशिप विद्यार्थियों के सीवी की वेल्यू भी बढ़ता है और तो और जहां युवा इन्टर्नशिप करते है वही से उन्हें काम करने का ऑफर भी मिल जाता है। साथ ही उन्हें कैम्पस रिक्रुटमेंट के दौरान भी काम के कई अच्छे ऑफर्स मिलते है।'' जिस प्रकार कार्य को करने का एक सही ढंग होता है, वैसे ही जीवन को समग्र रूप से जीने का भी एक विशेष ढंग होता है। प्रकृति के प्रभाव में खण्ड दृष्टि का होना अविद्या के कारण पाशविक प्रवाह आदि समग्रता की एकाग्रता को भंग करते हैं। इस एकाग्रता का लक्ष्य है वर्तमान में जीना। प्रत्येक सफलता के पीछे पहला रहस्य सूत्र भी यही है। सारे शिक्षण-प्रशिक्षण का यही लक्ष्य होना चाहिए।

आज एक अच्छी नौकरी पाना बहुत ही मुश्किल हो गया है। दिन-प्रतिदिन कॉम्पिटिशन टफ हो रहा है, ऐसे में स्टूडेंट्स को मिलने वाली इंटर्नशिप का रोल और भी अहम हो गया है। इंटर्नशिप में अच्छी परफॉर्मेस से जॉब के दरवाजे खुलते हैं। इसलिए स्टूडेंट्स को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसके परफार्र्मेस का नतीजा तो इंटर्नशिप खत्म होने पर आएगा, लेकिन एप्टीट्यूड और नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन का रिजल्ट, तो शुरू के दो-तीन दिनों में ही मिल जाएगा। आप अगर सही ड्रेस सेंस के साथ कंपनी में एंट्री करेंगे, प्रॉपर एटिकेट्स के साथ लोगों से मिलेंगे, तो वहां के लोग भी आपको पॉजिटिव ही लेंगे। प्रशिक्षण का पहला कदम विश्वास ही है। प्रशिक्षक और प्रशिक्षु के बीच विश्वास जरूरी है। इसके लिए प्रशिक्षक की गुणवत्ता पर ही परिणाम टिके होते हैं। विषय के बारे में उसकी समझ कितनी है, भाषा पर उसकी पकड़ कितनी है, प्रशिक्षण के प्रति गंभीरता कितनी है, जीवन के दृष्टिकोण व्यापक हैं अथवा संकीर्ण, समय का पाबंद, विनम्र, धैर्यवान आदि गुण संपन्न है अथवा नहीं। प्रशिक्षक का ध्येय, व्यक्तित्व का आकर्षण, मानवीय संवेदना का होना उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके बिना प्रशिक्षक की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती।

टिप्स फॉर ट्रेनर

इंटर्नशिप करने के दौरान इंटर्न को कुछ ऐसी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है जो उसके भविष्य में काम आ सकती है। जैसे--

एक इंटर्न के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि ऑर्गेनाइजेशन का फॉर्मल और इनफॉर्मल रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर क्या है, साथ ही इंटर्नशिप पीरियड के दौरान उन्हें किसे रिपोर्ट करना होगा, यह जानना बेहद जरूरी है। इसके लिए पहले दिन ही वहां के एचआर मैनेजर से मिलकर इंटर्नशिप की डिटेल्स पता कर लें कि आपको किसके अंडर में इंटर्नशिप करनी होगी, ताकि किसी एक सीनियर के गाइडेंस में काम करने और सीखने का मौका मिल सके।

इंटर्नशिप करने वाले फ्रेशर्स को कोशिश करनी चाहिए कि वह एबसेंट न हो। इस दौरान समय का खासकर ध्यान जरूरी रखें। इससे आप सीनियर्स और मैनेजमेंट को इंप्रेस कर पाएंगे। उन्हें लगेगा कि आप काम को लेकर गंभीर हैं।

इंटर्नशिप के दौरान स्टूडेंट्स को अच्छा परफॉर्म करना होता है। इससे आगे के लिए मौके बनने के असार बनते हैं, लेकिन ये तभी हो सकता है, जब एक इंटर्न सिर्फ अपने काम से मतलब रखे।

एक स्टूडेंट जब इंटर्नशिप के लिए किसी कंपनी में जाता है, तो उसका मकसद सीखना होता है। इसलिए कोशिश यही होनी चाहिए कि जो असाइनमेंट मिले, उसे एक्सेप्ट करें।इंटर्नशिप के दौरान एक इंटर्न के लिए अच्छी सोशल स्किल्स काफी काम आती हैं। ऑफिस के कलीग्स के साथ दोस्ताना व्यवहार करें।

शिष्य तो कच्ची मिट्टी की तरह होता है। गुरू उसको जो चाहे बना दे। आज का प्रशिक्षु कई अर्थो में गुरू या प्रशिक्षक से अधिक जानता है। अत- उसका श्रद्धालु होना बहुत कठिन है। वह जागरूक है, विषय के प्रति, किन्तु विषय को जीवन का अंग नहीं मानता। अत: मूल्यों के बारे में चिन्ता मुक्त है। स्वभाव से स्वच्छन्द भी है, जिसे स्वतंत्र बनाना है। भीतर की और बाहर की जीवन शैली को संतुलित किए बिना भी कोई प्रशिक्षण सफल नहीं होगा। विषय को आत्मसात करना तभी जाकर संभव होगा। वर्तमान में रहकर ही प्रशिक्षु औचित्य सिद्ध कर सकता है- प्रशिक्षण का। वर्तमान में ही वह अध्यात्म का आकलन कर सकता है। स्वयं की शक्तियों एवं कमजोरियों को भी समझ सकता है। सत्व, रज, तम प्रकृति के तीनों गुणों का भीतर अध्ययन कर सकता है। अविद्या, अस्मिता, आसक्ति, अभिनिवेश को विद्या भाव से दूर कर सकता है। कर्म को अकर्म (ब्रह्म) स्वरूप प्रदान कर सकता है। इसमें प्रशिक्षक और प्रशिक्षु दोनों का ही कर्ता भाव नहीं रहना चाहिए। वरना सारा ज्ञान अहंकार से आवरित हो जाएगा। किया कराया व्यर्थ हो जाएगा। इस प्रकार यदि अच्छे प्रशिक्षु के प्रति मन में राग पैदा हो जाए तब भी प्रशिक्षण भटक जाएगा। सही अर्थो में व्यक्ति का प्रशिक्षण का कार्य भी एक तरह की पूजा ही है। पत्थर से मूर्ति बनाकर मंदिर में बिठाना है। पूजा का फल समय की पाबंदी से जुड़ा है। जो समय के साथ बंधना नहीं चाहता चाहती, वह सफलता के द्वार सहजता से कभी नहीं पहुंच सकता। श्रम अलग है, बुद्धि अलग है, भाव अलग है। समय की पाबंदी से इनका कोई लेना-देना यदि है तो बस यही कि समय होते ही इनमें कर्म करने की भूख तीव्र हो उठती है। इधर लोहा गर्म हुआ, उधर चोट मारी कि कार्य पूरा। यह अभ्यास व्यक्ति को उम्र भर के लिए प्रशिक्षु बना देता है, भले ही वह प्रशिक्षण का कार्य करता हो। यही तप है, यही कान्ति है। इसी के स्वेद का नाम अमृत है।

ट्रेनिंग के फायदे

- एक व्यवसायिक माहौल में काम करना का मौका मिलता है।
- प्रोफेशनल नेटवर्क और कन्टैक्ट बढ़ते है।
- पैसा भी कमाये जा सकता है। स्टुडैंट के आत्मविष्वास को बढ़ता है, जिससे उनके स्कील, टेंलेड और क्षमता बढ़ती है। भविष्य के लिए अच्छे अनुभव प्राप्त होते हैं।

बनाएं फ्लावर मेकिंग में कॅरियर

आज हाथ से बने फूलों की डिमांड इसलिए और अधिक रहती है, क्योंकि वे अधिक दिनों तक ताजा दिखते हैं। ?से में जहां कई दिनों तक या लगातार सजावट की जरूरत होती है, वहां हाथ से बने फूलों की अहमियत बढ़ जाती है। इसके अलावा ये फूल झड़ते नहीं हैं, जिससे गंदगी नहीं फैलती। इन्हीं सब कारणों के चलते फ्लावर मेकिंग एक बेहतर कॅरियर विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है। डेकोरेशन की बढ़ती मांग और असली फूलों की कमी के चलते आर्टीफिशियल यानी मशीनों व हाथ से बने फूलों का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। ?से में फ्लावर मेकिंग को आप आजीविका का बेहतर साधन बना सकते हैं। झआइए जानते हैं इस फील्ड के बारे में-

जानें फ्लावर मेकिंग को

फ्लावर मेकिंग एक हस्तकला है, जिसमें कोई भी हाथों से तरह-तरह के फूल बना कर बाजार में सप्लाई कर सकता है। इन्हें बनाने के लिए मोती, टिशु पेपर, रिबन, ऑरगेंजा यानी कपड़ा और साटन का इस्तेमाल होता है। इनका उपयोग सजावट के अलावा गिफ्ट पैकिंग, एनवलप मेकिंग, बुके और गुलदस्ते बनाने में भी होता है।

जगह का चुनाव

फ्लावर मेकिंग का काम आप एक छोटे-से कमरे में भी कर सकते हैं, लेकिन अगर आप इस काम को बड़े स्तर पर करना चाहते हैं, तो आपको एक हॉल की जरूरत पड़ सकती है। अगर आप शोरूम बनाएंगे तो आपके काम में इजाफा होगा। हाउसहोल्ड काम होने के कारण आप इसे इंडस्ट्रियल या नॉन इंडस्ट्रियल एरिया में कहीं भी खोल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखें कि आपको कच्चा माल लाने और तैयार माल भेजने में कोई दिक्कत न हो।

क्या है लागत

फ्लावर मेकिंग का काम आप 25 से 30 हजार रूपए में शुरू कर सकते हैं। अगर आप बड़े स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते हैं, तो आपको उसी हिसाब से पैसे खर्च करने पड़ेंगे। वैसे दो लाख रूपए में यह काम काफी बड़े स्तर पर खोला जा सकता है। काम की तरक्की के लिए अगर आप शोरूम खोलना चाहते हैं या फिर फ्लावर मेकिंग के साथ डेकोरेशन का काम भी शुरू करना चाहते हैं, तो आपको उसी हिसाब से खर्चा करना पड़ेगा। यानी स्तर के हिसाब से लागत बैठेगी।

तैयार माल की बिक्री

आप अपने द्वारा निर्मित फूलों को यूं तो फूलों के बाजारों में बेच सकते हैं, मगर अच्छी बिक्री के लिए आपको कुछ खास सेलिंग पॉइंट्स पर कॉन्टेक्ट करने की जरूरत पड़ेगी। ये सेलिंग पॉइंट होटल, डेकोरेटर, मॉल और रेस्तरां और बड़े-बड़े शोरूम हो सकते हैं।

कैसी है आमदनी

फ्लावर मेकिंग में आमदनी आपकी कार्यक्षमता और मार्केटिंग, दोनों पर निर्भर करती है। छोटे स्तर पर शुरू करते हैं, तो भी प्रतिमाह 10 से 15 हजार रूपए या इससे अधिक कमा सकते हैं। बड़े स्तर के काम और मार्केट में पकड़ है तो आप 25-30 हजार रूपए से साठ हजार रूपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। अगर आप डेकोरेशन का काम भी साथ-साथ करते हैं, तब आपकी इनकम और भी अधिक हो सकती है।

प्रशिक्षण अवधि

अधिकतर संस्थानों में एक सप्ताह से एक महीने का कोर्स होता है। किसी में तीन महीने का भी कोर्स मौजूद है, जबकि कुछ संस्थान इसी में डेकोरेशन और फ्लावर मेकिंग से संबंधित हस्तकला शिल्प के हुनर सिखाते हैं। यह कोर्स एक साल का होता है। खादी ग्रामोद्योग द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान क्राफ्ट एंड सोशल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन में एक सप्ताह से एक माह तक के कोर्स कराए जाते हैं।

जरूरी योग्यता

वैसे तो आपका साक्षर होना पर्याप्त है, लेकिन कुछ संस्थान 10वीं और कुछ संस्थान 12वीं पास होना अनिवार्य मानते हैं। आप अपनी क्वालीफिकेशन, फीस देने की कैपेसिटी और जरूरत के हिसाब से प्रवेश ले सकते हैं।

कैसे लें प्रशिक्षण

खादी ग्रामोद्योग से मान्यता प्राप्त केंद्र से प्रशिक्षण लेने के लिए आपको प्रॉस्पेक्टस खरीदना होगा। इसके अतिरिक्त आप किसी स्थापित फर्म में नौकरी करके भी अनुभव बटोर सकते हैं।

चुनिए ओपन लर्निंग का विकल्प

ऐसा नहीं है कि कॅरियर वही बना पाते हैं, जो रेगुलर कॉलेज जाते हैं। ओपन लर्निंग से पढ़ाई करके भी आप अपने लिए एक अच्छा कॅरियर बना सकते हैं। कॉलेजों की ऊंची कटऑफ्स या प्रतियोगी परीक्षा पास न कर पाने पर बहुत से स्टूडेंट्स रेगुलर कॉलेज से बेशक वंचित रह जाते हैं लेकिन उनके लिए ओपन लर्निंग का विकल्प खुला रहता है। आपके साथ चाहे मुद्दा कम अंकों का हो या आपकी मर्जी का, आगे की पढ़ाई को जारी रखने के लिए डिस्टेंस मोड एजुकेशन का विकल्प आपके सामने खुला है।

जॉब का विकल्प

बहुत से स्टूडेंट्स इसलिए डिस्टेंस मोड की पढ़ाई चुनते हैं क्योंकि उन्हें जॉब का एक्सपीरियंस लेना होता है। वे मानते हैं कि जिस क्षेत्र में वे जाना चाहते हैं, वहां कॉलेज की डिग्री से ज्यादा पेशेवर अनुभव काम आना है। डिस्टेंस मोड से पढ़ाई करने वाले ये स्टूडेट अपना पूरा फोकस प्रोफेशनल कॅरियर पर रखते हैं।

तैयारी का समय

डिस्टेंस मोड से पढ़ाई करने वालों के लिए सबसे खास बात यह होती है कि रेगुलर कॉलेज न जाने की वजह से उनके पास दिन में पर्याप्त खाली समय होता है। इस खाली समय का इस्तेमाल वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कर सकते हैं। डिस्टेंस मोड से पढ़ाई का यह अर्थ नहीं कि आप पढ़ाई को कमतर आंके। आपके पास खाली समय है और इसका सदुपयोग करके आपको भविष्य की तैयारी करनी है।

ये हैं संस्थान

आजकल कई प्रतिष्ठित संस्थान डिस्टेंस मोड की एजुकेशन उपलब्ध करवा रहे हैं। इनमे प्रमुख हैं- दिल्ली में इग्नू, दिल्ली विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय संस्कृत विवि, राजस्थान में वर्धमान महावीर मुक्त विवि, ज्योति विद्यापीठ महिला विवि, मध्यप्रदेश में देवी अहिल्या विवि, डॉ हरिसिंह गौर विवि, सागर आदि।

प्रोफेशनल कोर्स

डिस्टेंस मोड के कोर्स चुनने के पीछे एक वजह यह भी रहती है कि स्टूडेंट किी प्रोफेशनल कोर्स में पूरा ध्यान लगाना चाहते हैं। यदि आप भी किसी प्रोफेशनल कोर्स की ट्रेनिंग लेने की सोच रहे हैं तो डिस्टेंस मोड की पढ़ाई के साथ दोनों आसानी से मैनेज हो जाते हैं। पढ़ाई का ज्यादा बोझ न होने पर आप फोकस कर पाते हैं।

गणित में हैं कई विकल्प

मैथेमेटिक्स से डरने वालों के लिए यह बेशक एक हौव्वा बना रहता हो लेकिन जो लोग इसे पसंद करते हैं और पढ़ते हैं, उनके लिए यह कॅरियर की कई राहें खोलता जाता है। बारहवीं तक मैथ्स की पढ़ाई करने वालों के लिए सबसे खास बात है कि उन्हें अपने कॅरियर के विकल्प का चयन करते हुए किसी स्ट्रीम विशेष तक सीमित रहने की जरूरत नहीं होती। उनके लिए इंजीनियरिंग से लेकर रिसर्च तक, बैंक से लेकर स्टैटेस्टिक्स एनालिसिस तक और कोचिंग से लेकर स्कूल-कॉलेज में टीचिंग तक के सारे विकल्प खुल जाते हैं। मैथ्स की मदद से वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अपना सिक्का जमा लेते हैं।

इंजीनियरिंग की राह

बारहवीं में साइंस के साथ मैथ्स लेने वाले अधिकतर स्टूडेंट्स का लक्ष्य इंजीनियरिंग में जाना होता है। इंजीनियरिंग की विभिन्न परीक्षाओं के जरिए अच्छे कॉलेजों में आवेदन किया जा सकता है। इंजीनियरिंग की डिग्री के लिए प्रवेश न मिल पाने पर इंजीनियरिंग डिप्लोमा में भी इन स्टूडेंट्स के लिए अवसर मौजूद हैं। इंजीनियरिंग के बाद अच्छे कॅरियर के कई मौके हैं।

परीक्षा में फायदा

मैथ्स की पढ़ाई करने वालों को प्रतियोगी परीक्षाओं में खास फायदा रहता है। मैथ्स के स्टूडेंटा होने के कारण ये कैट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के डाटा इंटरप्रेटेशन, न्यूमेरिकल एबिलिटी जैसे सेक्शनों को आसानी से हल कर लेते हैं। इसके अलावा बैंक, यूपीएससी, एएससी आदि की परीक्षाओं में भी अपनी न्यूमेरिकल और रीजनिंग कमांड के दम पर ये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

एवरग्रीन टीचिंग

मैथ्स को समझना फिर भी आसान है लेकिन यदि आप इस सब्जेक्ट को रूचिपूर्ण तरीके से दूसरे स्टूडेंट्स को समझा सकते हैं तो मैथ्स टीचर के रूप में आपके पास कई विकल्प हैं। आप मैथ्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करके स्कूल में पढ़ा सकते हैं। नेट क्लीयर करने के बाद आप कॉलेजों में भी पढ़ा सकते हैं।

इतनी भी क्या जल्दी

नीतीश कुमार सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीएस) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण मौजूदा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर कुल 75 प्रतिशत करने का प्रस्ताव मंगलवार को पारित कर दिया।

बिहार में कास्ट सर्वे रिपोर्ट का दूसरा हिस्सा सार्वजनिक किए जाने के ठीक बाद जिस तरह से आरक्षण सीमा बढ़ाने की मांग हुई और तत्काल कैबिनेट ने नए कोटा बिल को मंजूरी दे दी, वह अप्रत्याशित तो नहीं है, लेकिन उसे उचित भी नहीं कहा जा सकता। यह सही है कि कास्ट सर्वे रिपोर्ट से जुड़े शिक्षा और आर्थिक सर्वेक्षण वाले हिस्से ने भी कई चौंकाने वाले तथ्य जाहिर किए हैं। राज्य के कुल 2.76 करोड़ परिवारों में से 63.74 फीसदी ऐसे पाए गए, जिनकी मासिक कमाई 10,000 रुपये भी नहीं है। यह बात भी अब आधिकारिक तौर पर स्पष्ट हो गई है कि इस आर्थिक रूप से कमजोर हिस्से का बड़ा भाग रउ/रळ, डइउ तबकों से आता है। लेकिन इसके बावजूद जिस हड़बड़ी में इन समुदायों के लिए 65 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव आगे बढ़ा दिया गया है, वह आगे चलकर कई तरह की जटिलताओं को जन्म दे सकता है। सामान्य स्थितियों में यह बात सही है कि शिक्षा संस्थानों में और सरकारी तंत्र में भी आबादी के सभी हिस्सों का समुचित प्रतिनिधित्व होना चाहिए। लेकिन यह लक्ष्य ऐसा नहीं है, जिसे किसी जादू की छड़ी के जरिए चटपट हासिल कर लिया जाए। किसी भी समाज के वहां तक पहुंचने की प्रक्रिया जटिल होती है और उसमें समय भी लगता है।

अगर आरक्षण को ही लिया जाए तो मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व के एक हिस्से ने इसे हर बीमारी का इलाज मान लिया लगता है। हालांकि इसके साइड इफेक्ट हमें महाराष्ट्र समेत तमाम राज्यों में दिखते रहे हैं, जहां नए-नए और अपेक्षाकृत ताकतवर समूह भी खुद को वंचितों की श्रेणी में रखते हुए आरक्षण की मांग करने लगते हैं। इन मांगों का फायदा उठाना अलग बात है और समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ना बिल्कुल अलग। राजनीतिक नेतृत्व अगर इन दोनों के बीच फर्क करते हुए आगे बढ़ सके तो यह दूरगामी नजरिए से सबके हित में होता है।

अफसोस की बात है कि बिहार में जिस तरह की हड़बड़ी दिखाई गई, उसके पीछे चुनावी लाभ हासिल करने की मंशा ही ज्यादा लगती है। यह बात सभी जानते हैं कि आरक्षण पर 50 फीसदी की अधिकतम सीमा की सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक अभी लागू है। ऐसे में बिहार विधानसभा से प्रस्ताव पारित करने का व्यवहार में कोई अर्थ नहीं है सिवाय इसके कि मतदाताओं के बीच खास तरह का संदेश भेज दिया जाए।

चुनावी हितों से अलग कसौटियों पर देखें तो कास्ट सर्वे से निकले आंकड़ों को नीति का आधार बनाने से पहले कई और स्तरों पर परखे जाने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, नीति आयोग का मल्टी डाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (टढक) बिहार में गरीबी का प्रतिशत 51.91 बताता है। यह कास्ट सर्वे के आंकड़े (63.74 फीसदी) से इस मायने में भी अलग है कि इसमें कई इंडिकेटर्स को आधार बनाया गया है जबकि कास्ट सेंसस डेटा सिर्फ मंथली इनकम पर आधारित है।

मार्ग-दर्शन

अच्छाई-बुराई का भेद समझना जरूरी

अच्छे और बुरे मनुष्यों की उपस्थिति दुनिया में हमेशा से रही है। किसी को अच्छा या खराब बताने के बाहरी मापदंड संसार ने बनाए हैं, लेकिन भीतर का अपना एक थर्मामीटर है। सभी के भीतर समान मात्रा में अच्छाई और बुराई बसी है। आप जब, जिसका उपयोग अधिक करते हैं, वैसे हो जाते हैं। रावण की सेना में भी राम को समझने वाले लोग थे। वे कोई बहुत बुद्धिमान राक्षस नहीं थे, सामान्य से गुप्तचर थे। वे भरी सभा में श्रीराम के पक्ष का गुणगान कर रहे थे। सहज सूर कपि भालु सब पुनि सिर पर प्रभु राम। रावन काल कोटि कहुं जीति सकहिं संग्राम।। सब वानर- भालू सहज ही शूरवीर हैं फिर उनके सिर पर प्रभु श्रीरामजी हैं। हे रावण! वे संग्राम में करोड़ों कालों को जीत सकते हैं। राम तेज बल बुधि बिपुलाई। सेष सहस सत सकहिं न गाई।। श्रीरामचंद्रजी के तेज, बल और बुद्धि की अधिकता को लाखों शेष भी नहीं गा सकते। यहां एक पंक्ति कही गई है - 'पुनि सिर पर प्रभु राम'। अर्थात उनके सिर पर भगवान का हाथ है। हमारी योग्यता में इस कृपा का होना जरूरी है। श्रीराम सब पर हाथ रखने को समान रूप से तैयार हैं, स्वीकृति हमें देना है। इसे कहीं आत्मविश्वास कहा गया है, तो कहीं भरोसा। जबकि इन्हीं पंक्तियों में आगे कहा गया है कि श्रीराम के पास तीन बातें हैं - तेज, बल और बुद्धि। और सिर पर हाथ रखकर वे इन तीनों को हमारे भीतर स्थानांतरित कर देते हैं। हमारे भीतर भी ऐसा ही दृश्य चलता है। अंदर बैठा रावण समझने को तैयार नहीं होता कि जीवन में राम का प्रवेश हो चुका है और हम अच्छे काम शुरू कर दें।

जीने की राह

रिश्तों में मिठास अहं से मुक्त रहने में है

अरब देश का एक व्यक्ति हाफिज भ्रमण के उद्देश्य से निकला। उसकी इच्छा थी कि दूरस्थ स्थानों को नजदीक से देखे, उनके बारे में गहराई से जाने। इसलिए उसने साथ में किसी परिजन या मित्र को नहीं लिया। कई दिनों तक वह सफर करता रहा। वह रात में धर्मशाला या मंदिरों में रुक जाता और अगले दिन फिर निकल पड़ता। एक दिन उसे समय का याल नहीं रहा और चलते-चलते रात हो गई। अब उसे होश आया कि गांव तो पीछे छूट गया और यह जंगल था। वह परेशान हो गया। इधर-उधर आश्रय खोजने लगा। अंततः उसे एक झोपड़ी मिल गई। झोपड़ी का द्वार बंद था। उसने धीरे-से द्वार पर दस्तक दी। भीतर से आवाज आई- कौन है? व्यक्ति ने कहा - मैं हूं। उसका जवाब सुनने के बाद किसी ने द्वार नहीं खोला। उसने थोड़ी देर इंतजार करने के बाद फिर द्वार खटखटाया। फिर आवाज आई- कौन है? उसने थके हुए स्वर में कहा- मैं हूं- हाफिज। लेकिन अब भी द्वार नहीं खोला गया। हाफिज हैरान रह गया कि भीतर से कोई परिचय पूछता भी है और जवाब सुनने के बाद भी द्वार नहीं खोलता। उसने अंतिम बार दस्तक दी। फिर वही आवाज आई- कौन? इस बार हाफिज ने कहा- एक थका हुआ मुसाफिर। रातभर रहने की जगह दे दीजिए। सवेरे ही चला जाऊंगा। इस बार भीतर से किसी ने कहा- भाई! इस कुटिया में मैं के लिए स्थान नहीं है, मुसाफिर के लिए है। आ जाओ और मजे से रात बिताओ। इतना कहने के बाद द्वार खुल गया। हाफिज समझ गया कि मैं के लिए किसी भी घर में कोई स्थान नहीं होता। कथा का संकेतार्थ यह है कि उचित निर्वाह में अहं सदैव बाधक होता है- चाहे वह लौकिक रिश्ता हो या पारलौकिक। अहं से स्वयं को मुक्त रखने पर ही रिश्तों की सहजता और अपनापन बना रहता है।

देसी आयरन डोम में लगेंगे अरबों डॉलर, दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों को इजरायल जैसे अटैक से बचाएगा

दुश्मन के लड़ाकू विमान, बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइल, ड्रोन जैसे आसमान से हमला करने वाले सिस्टम्स से बचाव के लिए अमेरिका ने थाड, पेट्रियट, एजिस, इजरायल ने आयरन-डोम और रूस ने एस-400 जैसी मिसाइल रक्षा प्रणालियों को तैनात किया हुआ है। रूस का एस-400 तो भारत में भी लगा है, लेकिन रक्षा क्षेत्र में चल रहे आत्मनिर्भरता अभियान के तहत देश ऐसी ही स्वदेशी एंटी-मिसाइल प्रणाली तैयार करने में भी जुटा है, जिस पर इस सदी की शुरुआत से ही काम चल रहा है।

प्रॉजेक्ट कुश क्या है

-इस सिस्टम का पहला ट्रायल रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन(डीआरडीओ) ने 2006 में किया था, जिसे तब कामयाब बताया गया था। इसके बावजूद अभी तक इसे तैनात करने लायक नहीं समझा गया।

-आखिरकार, कुछ अरसा पहले रूस से पांच एस-400 एंटी मिसाइल सिस्टम खरीदने का फैसला हुआ, जिनमें से तीन चीन की सीमाओं पर तैनात की जा चुकी हैं।

-दिक्कत यह है कि एंटी-मिसाइल डिफेंस सिस्टम अत्यधिक महंगा होता है। पांच एस-400 की लागत करीब सवा पांच अरब डॉलर यानी करीब 45,000 करोड़ रुपये पड़ी है।

भारत की मौजूदा आर्थिक क्षमता इस बात की इजाजत नहीं देती कि ऐसी सैकड़ों रक्षात्मक मिसाइल प्रणाली की तैनाती पर हजारों करोड़ डॉलर खर्च किए जाएं। यही वजह है कि आत्मनिर्भर भारत और मेड इन इंडिया विजन के तहत इस महत्वाकांक्षी स्वदेशी मिसाइल-नाशक-मिसाइल प्रणाली को तेजी दी जा रही है। इसे प्रॉजेक्ट कुश का नाम दिया गया है। यह प्रॉजेक्ट कामयाब हुआ तो संभवतः भारत को रूस से और अधिक एस-400 एंटी मिसाइलें आयात करने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन यह भी देखना होगा कि इस तरह की रक्षात्मक एंटी-मिसाइलों की कामयाबी दर क्या है।

-अभी हमास के रॉकेट हमलों के बीच इजरायल के आयरन-डोम मिसाइल सिस्टम की चर्चा है। इसके बावजूद पिछले 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल की राजधानी सहित इसके कई शहरों पर हजारों रॉकेट दागे, जिससे 1400 से अधिक लोग मारे गए।

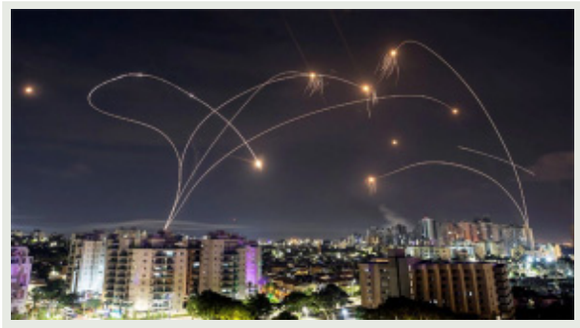

दुश्मन के लड़ाकू विमान, बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइल, ड्रोन जैसे आसमान से हमला करने वाले सिस्टम्स से बचाव के लिए अमेरिका ने थाड, पेट्रियट, एजिस, इजरायल ने आयरन-डोम और रूस ने एस-400 जैसी मिसाइल रक्षा प्रणालियों को तैनात किया हुआ है। रूस का एस-400 तो भारत में भी लगा है, लेकिन रक्षा क्षेत्र में चल रहे आत्मनिर्भरता अभियान के तहत देश ऐसी ही स्वदेशी एंटी-मिसाइल प्रणाली तैयार करने में भी जुटा है, जिस पर इस सदी की शुरुआत से ही काम चल रहा है।

-इसके बाद जब इजरायली सेना कुछ संभली और आयरन डोम को सक्रियता से तैनात किया तो गाजा पट्टी की ओर से आने वाले अधिकतर रॉकेटों को आसमान में ही रोका जाने लगा। फिर भी कुछ रॉकेटों को इजरायली शहरों पर गिरने से नहीं रोका जा सका।

-यानी किसी देश का मिसाइल रक्षा तंत्र सक्रिय ना हो तो वह दुश्मन की मिसाइलों को गिरने से नहीं रोक सकेगा। लेकिन यह भी सच है कि इस आशंका में किसी हवाई रक्षा तंत्र को चौबीसों घंटे सक्रिय नहीं रखा जा सकता। इसके बावजूद ऐसे सिस्टम की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता।

-दिल्ली, मुंबई जैसे राजनीतिक, आर्थिक महत्व के और घनी आबादी वाले शहर दुश्मन के निशाने पर हमेशा रहेंगे। इसलिए एंटी मिसाइल प्रणालियों को न केवल जमीनी सीमा पर बल्कि बड़े शहरों के इर्द-गिर्द भी तैनात करना होगा।

देसी आयरन डोम

जिस एंटी मिसाइल सिस्टम के विकास की जिम्मेदारी डीआरडीओ को सौंपी गई है, वह तीन स्तरों पर रक्षा कवच बना सकेगा।

-सतह से आसमान में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली(एलआर-एसएएम) के लिए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना को करीब 22 हजार करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है।

-इस प्रणाली के तहत 150, 250 और 350 किलोमीटर की दूरी तक हमलावर मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता होगी।

इसमें दो राय नहीं कि दुनिया की सभी हवाई रक्षा मिसाइल प्रणालियों की कामयाबी दर को लेकर सवाल उठाए जाते रहे हैं। मगर तमाम सीमाओं के बावजूद भारत को लंबी दूरी से आने वाली बैलिस्टिक परमाणु मिसाइलों से अपने बड़े शहरों को बचाने के लिए कोई इंतजाम तो करना ही होगा। ध्यान रहे, देश के बड़े और महत्वपूर्ण शहरों की रक्षा जितनी अहम है, इनमें रह रहे लोगों को मिलने वाला यह मनोवैज्ञानिक भरोसा भी उतना ही जरूरी है। अपनी तमाम सीमाओं के बावजूद ये एंटी-मिसाइल सिस्टम लोगों में सुरक्षा का भरोसा पैदा करते हैं।

-आज के दौर में युद्ध जटिल हो गए हैं। इसमें नए रक्षात्मक और हमलावर तंत्र शामिल किए जा रहे हैं। ड्रोन का इस्तेमाल जमकर हो रहा है, जो दुनिया की हर सेना के लिए बड़ी चुनौती है।

-इनसे बचाव में एंटी-मिसाइल प्रणालियां भी कई बार कामयाब होती नहीं दिखी हैं। ये ड्रोन सूक्ष्म, छोटे और बड़े आकार के होते हैं। मधुमक्खियों के झुंड की तरह इनसे दुश्मन पर हमला करवाया जा सकता है। इसलिए इन्हें रोकना मुश्किल है।

क्या हैं सीमाएं

खैर, भारत जैसे बड़े देश को अपने महत्वपूर्ण शहरों की हमलावर ड्रोनों या बैलिस्टिक मिसाइलों से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सैकड़ों हवाई रक्षा मिसाइल प्रणालियों की तैनाती करनी होगी। जिस पर लाखों करोड़ का खर्च आएगा। इसके बावजूद देश के हर शहर और सामरिक महत्व के हर ठिकाने पर एंटी-मिसाइल प्रणालियां तैनात नहीं की जा सकेंगी। ऐसे में जब दुश्मन को पता होगा कि देश का कौन सा शहर या कोना असुरक्षित है तो वह उन ठिकानों को निशाना बना सकता है।

रेलवेः बजट की नहीं, बजट खर्च करने की है चुनौती

2014 के बाद इंडियन रेलवे में व्यापक स्तर पर बदलाव हुए हैं। रेल बजट को समाप्त किया गया और इसके साथ ही कई ऐसे फैसले भी किए गए, ताकि रेलवे को रफ्तार मिल सके। बीते नौ वर्ष में रेलवे में और भी कई बड़े बदलाव हुए हैं। सरकार ने रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर रकम झोंकी है लेकिन इसके बावजूद जितना रिजल्ट आना चाहिए था, उतना अब तक सामने नहीं आया। इसकी वजह है कि रेलवे को वित्तीय तौर पर मजबूत करने के लिए सरकार ने तो कारगर कदम उठाए लेकिन रेलवे की बड़ी चुनौती परियोजनाओं पर तेजी से अमल की है।

दरअसल, केंद्र में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद रेलवे के बजट में तेजी से बढ़ोतरी हुई है लेकिन सरकार जितना बजट मुहैया कराती है, वह पूरा खर्च ही नहीं हो पाता। उदाहरण के लिए पिछले वित्तीय वर्ष का ही उदाहरण लें। रेलवे की ओर से 2022=23 के लिए जो बजट अनुमान पेश किया गया, वह दो लाख 45 हजार 800 करोड़ रुपये का था। लेकिन उसी साल में जब संशोधित अनुमान

पेश किया गया तो उसमें पांच सौ करोड़ रुपये की कमी कर दी गई। लेकिन जनवरी 2023 में जब लेखा जोखा तैयार किया गया तो पता चला कि वास्तव में एक लाख 64 हजार 587 करोड़ रुपये खर्च हुए। यानी कि जितने का बजट पेश किया गया, उसमें से 80 हजार करोड़ रुपये खर्च ही नहीं हो पाया। इसी तरह इससे पहले 2021=22 में संशोधित बजट अनुमान दो लाख 15 हजार करोड़ रुपये लेकिन खर्च हुआ एक लाख 90 हजार 267 करोड़ रुपये। इससे पता चलता है कि सरकार अपनी ओर से रेलवे को भरपूर धन मुहैया करा रही है लेकिन अब जरुरत है कि रेलवे की क्षमता बढ़ाने की है ताकि सरकार मेहनत करके जितना पैसा मुहैया करा रही है, उसे उतनी ही रफ्तार से खर्च किया जा सके।

क्यों नहीं हो पाता खर्चः इसकी सबसे बड़ी वजह परियोजनाओं के बीच आने वाले अवरोध हैं। नई परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण सबसे बड़ी बाधा है। भूमि अधिग्रहण न होने की वजह से रेलवे की कई परियोजाएं अटक जाती हैं। ऐसे में जरुरत है कि रेलवे जब भी कोई परियोजनाओं का खाका तैयार करे तो पहले ये आकलन कर ले कि उस परियोजना के लिए कितनी भूमि की जरुरत है और क्या वह उपलब्ध हो पाएगी। कानूनी दांव पेंच में फंसने की वजह से कई बार रेलवे, अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए भी जमीन समय पर नहीं ले पाती। दूसरी बड़ी जरुरत है कि रेलवे के कामकाज में व्यापक सुधार किया जाए। हालांकि सरकार ने हाल के वर्षों में बड़े सुधार किए हैं लेकिन अभी भी ऐसे सुधारों की जरुरत है, जिससे कि रेलवे खुद को आधुनिक ढंग अपनाए। हालांकि नई ट्रेनें आ रही हैं, कई और ऐसे कार्य हो रहे हैं, जिससे रेलवे का चेहरा बदल रहा है लेकिन अभी रेलवे में कामकाज के पुराने रंग ढंग को बदलने की जरुरत है।

सीने में जलन आंखों में तूफान का मौसम फिर आया

साल का वही समय फिर आ गया, जब दिल्ली-एनसीआर का आसमान स्मॉग की चादर से ढकने लगा है। प्रदूषण के कारण पहले से खराब यहां की हवा को पंजाब, हरियाणा के खेतों में जल रही पराली के धुएं ने और अधिक दूषित कर दिया है। दम घोंटने वाली इस ज़हरीली हवा में सांस लेना भी दूभर हो गया है। अभी तो ठंड की ठीक से शुरुआत भी नहीं हुई, तब यह हाल है, नवंबर में जब तापमान कम होगा और पराली जलाने की प्रक्रिया अपने पीक पर होगी, तब क्या होगा। हर साल की तरह फौरी उपाय के तहत डीज़ल जेनरेटर्स और निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया गया है लेकिन उसके बावजूद धूल और धुआं कम होता नहीं दिख रहा। पार्किंग फीस बढ़ाने के निर्देश के बावजूद सड़कों से निजी वाहनों की संख्या कम नहीं हुई। अपनी गाड़ी से चलने के आदि हो चुके लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने की हिदायतें दी जा रही हैं, पर जब तक लास्ट माइल कनेक्टिविटी ही नहीं होगी तो लोग गाड़ियां कैसे छोड़ेंगे? पहले लोगों को अपना वाहन खरीदने पर मजबूर किया जाता है, फिर उम्मीद की जाती है कि वे इसे छोड़कर बस या मेट्रो में चलें। घर और दफ्तर से

मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए ढंग का पब्लिक ट्रांसपोर्ट न देकर ऐसी उम्मीद करना ही बेमानी है। लास्ट माइल कनेक्टिविटी के नाम पर खटारा ऑटो और असुरक्षित ई रिक्शे चलाकर उम्मीद की जाती है कि लोग इनमें चलें।

आखिर हर साल यह नौबत क्यों आती है, जबकि यह कोई अचानक आई मुसीबत तो है नहीं। सबको पहले से पता है कि इन महीनों में दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील हो जाती है, उसके बावजूद ऐसी स्थिति को रोकने के क्या उपाय किए गए? समाधान खोजने के बजाय एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने की राजनीति ज़रूर शुरू हो जाती है। पहले दिल्ली सरकार सारी ज़िम्मेदारी पंजाब पर डाल देती थी कि वहां पराली जलाने के विकल्प पर ढंग से काम होता तो यहां की हवा दूषित नहीं होती। पर अब तो दोनों जगह एक ही पार्टी की सरकार है, तब भी यह हाल क्यों? ज़िम्मेदारों से सवाल होने चाहिए कि साल भर में उन्होंने क्या किया? देखिए, यह तय है कि किसानों को नवंबर अंत तक हर हाल में गेहूं की बुआई करनी होती है, इसलिए धान की कटाई के बाद बचे हुए हिस्से से जल्द छुटकारा पाने के लिए उसे जलाकर खत्म करना उनके लिए सबसे आसान उपाय है।

धान की कटाई और गेहूं की बुआई के बीच किसानों के पास सिर्फ 15 से 20 दिनों का ही वक्त होता है, जिसमें उन्हें हर हाल में पराली हटाकर खेत को बीज बोने के लिए तैयार करना होता है। विकल्पों की कमी की वजह से वे पराली जलाने पर मजबूर हो जाते हैं। फसल के अवशेषों को हटाने के लिए सरकार की तरफ से सब्सिडी पर मशीनें उपलब्ध कराने की कोशिशें तो हुईं लेकिन इनकी कीमत एक बड़ी बाधा है और संख्या भी इतनी नहीं कि ये सारे किसानों तक पहुंच पाएं। पराली के कई विकल्प भी सुझाए गए कि इससे जैविक खाद, बिजली और ईंधन के साथ ही इको फ्रेंडली डिस्पोज़ेबल बर्तन तक बनाए जा सकते हैं। लेकिन एक-दो स्टार्टअप्स के आगे आने से बात नहीं बनेगी। धान की कटाई के बाद 15 दिनों के भीतर सारे खेतों से पराली निकाल ली जाए, इसके लिए समूचे तंत्र को जुटना होगा।

बहरहाल, एक बार फिर दो महीनों तक खूब हल्ला मचेगा। नेता और अफसर बैठकें करेंगे। समस्या का उपाय खोजने के दावे किए जाएंगे। अगले साल उन दावों की पोल खुलेगी तो दोषारोपण किए जाएंगे। फिर सारे नियम-कायदे आम जनता पर थोप दिए जाएंगे, ज़िम्मेदारों की कोई जवाबदेही तय नहीं होगी। दो महीनों तक देश दुनिया के अखबार दिल्ली के काले आसमान की तस्वीरें छापते रहेंगे। चंद महीनों में मौसम बदलने पर ये काला धुआं छंट जाएगा और एक बार फिर हम ये सब भूलकर आगे बढ़ जाएंगे। ज़िम्मेदार भी अगले अक्टूबर तक के लिए चैन की नींद सो जाएंगे।

दैनिक पंचांग

10 नवम्बर 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.45 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	09.01 बजे से
मंगल	तुला में	मकर	11.06 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.53 बजे से
गुरु	मेष में	मीन	14.26 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	15.56 बजे से
शनि	कुंभ में	वृष	17.36 बजे से
राहु	मीन में	मिथुन	19.34 बजे से
केतु	कन्या में	कर्क	21.48 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		सिंह	00.04 बजे से
		कन्या	02.16 बजे से
		तुला	04.26 बजे से

शुक्रवार 2023 वर्ष का 314 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 12.36 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 00.08 बजे रात्र को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 17.05 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 12.36 बजे तदनन्तर गर 01.21 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 17° 00' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871793 **जूलियन दिन** 2460258.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2549 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 25 **विशेष** प्रदोष व्रत, धनतेरस, यम दीपदान।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 10 नवम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

प्रसंगतः संकल्प की ताकत

एक बालक परीक्षा में फेल हो गया। उसके साथियों ने इस पर उसका खूब मजाक उड़ाया। इससे उस लड़के को गहरा सदमा पहुंचा। उसके बाद से वह अत्यंत तनावग्रस्त रहने लगा। उसने पढ़ना-लिखना और यहां तक कि ढंग से खाना-पीना भी छोड़ दिया। वह हर समय एक कोने में गुमसुम बैठा रहता। बालक के माता-पिता ने उसे प्यार से समझाया, 'बेटा, एक बार फेल होना इतनी बड़ी असफलता नहीं है जिससे तुम इस तरह परेशान हो जाओ। आखिर ऐसा कब तक चलेगा। जो हुआ उसे भूल जाओ और आगे की सोचो।' किंतु बालक को माता-पिता की बातों से संतुष्टि नहीं मिली। मानसिक अशांति और निराशा में उसे कुछ नहीं सूझा और वह एक रात आत्महत्या करने के लिए चल पड़ा। रास्ते में एक बौद्ध मठ मिला जहां से कुछ आवाजें आ रही थीं। बालक उत्सुकतावश उन आवाजों को सुनने के लिए मठ के अंदर चला गया। वहां उसने देखा कि एक भिक्षुक कह रहा था, 'पानी मैला क्यों नहीं होता, क्योंकि वह बहता रहता है। पानी के मार्ग में बाधाएं क्यों नहीं आतीं? क्योंकि वह बहता रहता है। पानी का एक बिंदु झरने से नदी, नदी से महानदी और महानदी से समुद क्यों बन जाता है? क्योंकि वह बहता रहता है। इसलिए मेरे जीवन! तु

झांझरी लड्डू

सामग्री :

250 ग्राम सिंघाड़े का आटा, 250 ग्राम चीनी, अंदाज से इलाइची दाने व मगज के बीज, तलने हेतु देशी घी।

विधि :

आटे को पानी से बूँदी के घोल जैसा घोल लें। चीनी में थोड़ा पानी डालें व 2 तार की चाशनी बना लें। घी गर्म करें व झारे से बूँदी झारकर तल लें व चाशनी में डालती जाएँ। बूँदी निकालकर छलनी में रख लें। अतिरिक्त चाशनी निकल जाएगी। अब इलायची दाने व मगज बीज मिलाकर मनचाहे आकार व साइज के लड्डू बना लें। सर्व करें।

नखरे वाली नहीं... कलवती है पहली पसंद

मात्र आकर्षण के चलते भले ही एक युवक या पुरुष केवल स्त्री के सुंदर चेहरे को प्राथमिकता दे सकता है लेकिन जब बात जीवनभर के साथ की हो तो अंतत: सीरत या गुण जीत जाते हैं। आज जब महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं, आत्मविश्वास के साथ अपने कदम रख रही हैं तब पुरुषों की भूमिका भी मित्र और सहयोगी की ज्यादा होने लगी है। जीवनसाथी के रूप में भी पुरुष चाहते हैं कि उनकी सहधर्मिणी में चेहरे की खूबसूरती से ज्यादा गुणों की सुंदरता हो...।

अगर आपने इस्मत चुगतई की 'चड़ी की दक्की' पढ़ी है या फिर जेन ऑस्टिन की 'प्राइड एंड प्रिज्युडिस' तो शायद आप बात का मतलब ज्यादा आसानी से समझ जाएँगे। उक्त दोनों ही कहानियों में अंतत: सीरत और गुण या बुद्धिमता को तवज्जो मिलती है...। चलिए सीधे मुद्दे पर आते हैं। मात्र आकर्षण के चलते भले ही एक पुरुष केवल स्त्री के सुंदर चेहरे को प्राथमिकता दे सकता है लेकिन जब बात जीवनभर के साथ की हो तो अंतत: सीरत या गुण जीत जाते हैं। महिलाओं के मामले में तो हमेशा से यह कहा ही जाता है कि वे पुरुष में व्यावहारिकता, सेंस ऑफ ह्यूमर, अच्छी नौकरी आदि-आदि को तवज्जो देती हैं लेकिन पुरुषों के मामले में भी कुछ ऐसा ही कहा जा सकता है। आज जब महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं, आत्मविश्वास के साथ अपने कदम रख रही हैं तब पुरुषों की भूमिका भी मित्र और सहयोगी की ज्यादा होने लगी है। जीवनसाथी के रूप में भी पुरुष चाहते हैं कि उनकी सहधर्मिणी में चेहरे की खूबसूरती से ज्यादा गुणों की सुंदरता हो...। तो कैसी गुणवंती स्त्री आधुनिक पुरुषों की पसंद है...चलिए जानते हैं। तुम्हारे पास लाइसेंस है...?

बात केवल लांग ड्राइव तक सीमित नहीं है। तेजी से बदल रही दुनिया में आज वाहन चलाना एक आवश्यक गुण हो गया है। पतिदेव को ऑफिस की बस के लिए बस स्टॉप तक छोड़ना हो, बच्चों को स्कूल लाना-ले जाना हो, घरेलू खरीदारी करनी हो या फिर पति तथा घर के अन्य पुरुषों की अनुपस्थिति में किसी आपात स्थिति को संभालना हो... ये सभी काम वाहन के होने पर और भी सुविधाजनक हो जाते हैं। इसलिए अधिकांश पुरुष ये चाहते हैं कि उनकी पत्नी वाहन चालक भी हो। केवल पत्नी ही क्यों... बेटी, बहन या कई मामलों में तो बेटे अपनी माँ को भी वाहन चलाना सिखा डालते हैं। यहाँ असल में मामला कामकाज में सुविधा के साथ ही आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा होता है।

थोड़ा सोशल हो

बात चाहे रिश्ते के किसी विवाह आयोजन की हो या फिर दफ्तर में होने वाले गेट-टुगैदर की... पुरुष चाहते हैं कि उनकी पत्नी सही रूप में उनकी मित्र और सहधर्मिणी बनकर साथ रहे। वह लोगों से मिलने-जुलने, सोसायटी में पहचान बनाने में उनका साथ दे। आजकल तो पति यह भी चाहते हैं कि यदि उनकी पत्नी का कोई खास गुण कुकिंग, पेंटिंग, इंटीरियर डेकोरेशन, सिंगिंग या अन्य कोई भी गुण उनसे जुड़े बाकी लोगों को भी पता चले। वे बकायदा अपनी पत्नी की उपलब्धियों तथा गुणों को गर्व के साथ लोगों को बताना चाहते हैं। तुम्हारे पास लाइसेंस है...? गुणवंती,-बुद्धिमति... बेटर हाफ

बाँट लो गम भी, खुशी भी

दिनभर का ऑफिस का तनाव, अपने बचपन, स्कूल या कॉलेज की बातें या फिर यूँ ही कुछ हल्का-फुल्का... पुरुष चाहते हैं कि उनके साथ जीवनभर के बंधन में बँधा दूसरा इंसान धैर्य के साथ उनकी बातें सुनने और जरूरत पड़ने पर कोई 'मैच्योर डिसीज़न' लेने में भी सक्षम हो। जब उनकी बातों को कोई ध्यान से सुनता है, समझता है तो उन्हें यह महसूस होता है कि कोई उनकी केयर करता है। खासतौर पर तब जब वे किसी तनाव की परिस्थिति से जूझ रहे होते हैं। यूँ भी हमारे समाज ने पुरुषों के लिए भावनाओं को एक्सप्रेस करने के मामले में ढेर सारे बंधन और रूढ़ियाँ बना रखी हैं। इसलिए वे अपना दर्द बाँटने से बचते हैं। इसलिए जब वे कुछ कहना चाहते हैं तो सामने वाले का धैर्य उन्हें और उत्साहित करता है। यही नहीं महिलाओं के केयरिंग नेचर को भी पुरुष पसंद करते हैं।

नखरेवाली को नो नो

यहाँ नखरे से मतलब है दिखावे या झूठी छवि से। पुरुष हमेशा से ऐसी स्त्री को पसंद करते हैं जो सहज, स्वाभाविक तरीके से जीवन जीती हो। थोड़ी हिचक या झिझक स्वाभाविक है लेकिन हर बात को लेकर आपका दोहरे मापदंड रखना पुरुषों को पसंद नहीं आता। पसंद-नापसंद सबकी अपनी होती है लेकिन जब आप किसी ग्रुप के साथ हों या फिर पूरे परिवार के साथ... तो कभी-कभी आपको अपनी निजी पसंद तथा 'कंफर्ट ज़ोन' को कुछ समय टालना भी पड़ सकता है। कहने का तात्पर्य यह कि आपका व्यक्तित्व झूठ, फरेब, दिखावे आदि से परे होना चाहिए।

जी लो जी भर के

हँसी, प्रेम, साहस और जीवंतता के साथ जीवन जीने वाली स्त्रियाँ पुरुषों को पसंद आती हैं। छोटी-छोटी बातों में चीखने-चिल्लाने वाली, हमेशा जिंदगी से परेशान रहने वाली, अभावों व दुखों को जीने वाली तथा शिकायतें करने वाली स्त्रियाँ पुरुषों को कम पसंद आती हैं। पुरुष चाहते हैं कि उनके साथ जुड़ी महिला जीवटता से चुनौतियों का सामना करे, समय पड़ने पर उनके साथ साहस से खड़ी हो और घरभर में पॉजीटिव एनर्जी का संचार करने वाली हो। अपने आसपास हँसी वाला माहौल बनाए रखने वाली महिलाएँ पुरुषों की पसंद होती हैं।

वाह..! क्या स्वाद है

बरसों से महिलाओं को रटाया जा रहा यह मंत्र वाकई अचूक है। स्वादिष्ट खाना बनाने वाली तथा प्रेम से खिलाने वाली महिलाएँ पुरुषों को पसंद आती हैं। यही नहीं आज के पुरुष यह भी चाहते हैं कि उनकी पत्नी खुद भी हेल्दी खाए, फिट रहे और पूरे घर को भी फिट रखे। क्योंकि ज्यादातर पुरुषों को लगता है कि वे डाइट करने या खाने में संतुलन बनाने के मामले में कच्चे होते हैं। ऐसे में उन्हें मोटीवेट करने तथा फिट बनाए रखने में पत्नियाँ सही भूमिका निभाती हैं।

थोड़ा संतुलन भी है जरूरी

अधिकांश पुरुष उन स्त्रियों की ओर आकर्षित होते हैं जो सामान्य तौर पर सामने आने वाली विकट परिस्थितियों से न केवल एडजस्ट कर लेती हैं बल्कि कई बार तो अपने हर दम पर परेशानी को सुलझा भी लेती हैं। पुरुष यह कतई नहीं चाहते कि उनकी पत्नी चुपचाप तकलीफसहती रहे या हमेशा परेशानी में भी एडजस्ट क लेकिन हाँ अचानक मेहमानों के आ जाने, घर की किसी व्यवस्था के डगमगा जाने या फिर अपने दफ्तर में किसी नए नियम के आ जाने पर वह थोड़ा सामंजस्य बैठा सकें यह जरूर हर पुरुष की चाहत होती है।

तुम भी तो खास हो

केवल खुद के लिए या अपने घर और बच्चों के लिए ही नहीं... पति चाहते हैं कि उनकी पत्नी खुद की देखभाल के लिए भी गंभीर हो। वह अपने खान-पान, आराम और पसंद को लेकर सजग रहे और उसे पति तथा घर के अन्य लोगों से भी बाँटे। उसके पास अपनी रुचियों के लिए वक्त हो और वह अपने लिए कुछ समय निकाले, यह भी पति चाहते हैं। आज के पुरुष मानते हैं कि जिस तरह दफ्तर का एकरस रूटीन उन्हें बोर कर देता है उसी तरह उनकी पत्नियाँ भी घर या ऑफिस से कभी न कभी थक जाती हैं। इसलिए उन्हें खुद के लिए भी समय जरूर निकालना चाहिए।

असल में थोड़े-बहुत हेरफेर से लगभग यही सब गुण स्त्रियाँ भी पुरुषों में पसंद करती हैं। आखिर यह मामला तो दोनों के जुड़ाव का ही है। मतलब यह कि स्त्री हो या पुरुष...असल में एक सहज, सौम्य, हँसमुख, विचारवान, सुलझे हुए तथा समझदार हमसफर के साथ जीवन बिताना चाहते हैं। इसलिए महत्व ऊपरी दिखावे का नहीं, मन की सुंदरता का बढ़ जाता है।

दिल खोलकर हँसो दर्द मिटाओ

स्वास्थ्य के लिए हँसी को औषधि के तौर पर लिया जाता है। जिस तरह तनाव या दुख आपकी सेहत पर नेगेटिव असर डालते हैं ठीक उसके उलट हँसना आपको सेहतमंद बनाता है। सामान्य शब्दों में कहा जाए तो हँसने से खून बढ़ता है। इसी क्रम में पिछले दिनों एक शोध में यह भी साबित हुआ है कि हँसने से दर्द में कमी आती है। यह शोध कहता है कि हँसी एक तरह के पेनकिलर का काम करती है। यही नहीं अगर हँसते वक्त आपके दोस्त या परिचित आसपास हों यानी यदि हँसी ग्रुप में हो, तो फायदा और भी बढ़ जाता है। लेकिन हाँ, यह हँसी दिल से निकलने वाली शुद्ध और गला फाड़, पेट पकड़ हँसी हो न कि विनम्रता और औपचारिकता के लिए धीमी आवाज़ में हँसना। असल में तेजी से बिना किसी झिझक के हँसने से हमारी साँस लेने की क्रिया गड़बड़ा जाती है जिसके कारण हम थक जाते हैं। इस थकान की वजह से हमारे शरीर में एंडोरफीन नामक हारमोन का स्राव होता है जो कि नींद का सा प्रभाव उत्पन्ना करता है और हम दर्द में कमी महसूस करने लगते हैं।

सावधान रहें बदलते मौसम में...

मौसम में बदलाव का संधिकाल हमेशा सावधान रहने की माँग करता है। सर्दियाँ बीतने वाली हैं और गर्मियों की शुरुआत नहीं हुई है। इस मौसम में बच्चे और बूढ़े अधिक बीमार पड़ते हैं। तापमान में बदलाव के प्रति शरीर सामंजस्य नहीं बैठा पाता।

क्या रखें सावधानी

बदलते मौसम में शरीर का तापमान हमेशा ठीक रखें यानी गिरने न दें। तापमान में हो रहे बदलाव के कारण शरीर को सामंजस्य बिठाने में वक्त लगता है, इसलिए ठंड या गर्मी की शिकायत करे बगैर शरीर को एडजस्ट होने दें। वातावरण में गर्मी आने के साथ ही धूल भी उड़ना शुरू हो जाती है। बच्चों को धूल-धुएँ से बचाएँ। जहाँ तक हो सके बच्चों और बूढ़ों को तापमान के आकस्मिक परिवर्तन से बचाकर रखें। अधिक कॉफी या चाय पीने से बचने की सलाह दें। रात को अधिक देर तक जगने के दौरान दूध अथवा शीतलतादायक अन्य पेय पदार्थ देते रहें।

हर मौसम की 24 घंटे की साइकल में 20-25 डिग्री का अंतर पाया जाता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव दमा के रोगियों पर पड़ता है। तेज ठंड के बाद जब मौसम बदलता है तब तापमान में आए बदलाव के कारण अस्थमा के मरीजों को दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। इसी तरह जब बारिश का मौसम खत्म होने को होता है- और सर्दियों का मौसम आया नहीं होता है तब भी दमे के मरीजों की तकलीफ बढ़ जाती है। इसके अलावा बदलते मौसम में सामान्य लोगों को भी खासतौर पर बच्चों को बुखार आदि की समस्या खड़ी हो जाती है। तापमान में आकस्मिक बदलाव के प्रति शरीर एकदम से अपने आपको ढाल नहीं पाता, इसलिए बुखार और सर्दी-जुकाम की शिकायत होती है। इस मौसम में वैसे भी बच्चों को परीक्षा का तनाव रहता है। ऐसे में बीमारी पकड़ने का जोखिम भी अधिक होता है। इन दिनों में होता यह है कि ठंड जहाँ थोड़ी-सी कम हुई कि व्यक्ति गरम कपड़े पहनने के प्रति लापरवाह हो जाता है। फ्रिज का ठंडा पानी पीने का जोखिम भी उठा लेता है। ऐसे में गले में संक्रमण और सर्दी-जुकाम के साथ बुखार भी आ सकता है। हल्की गर्मियों का मौसम बैक्टीरिया पनपने के लिए मुफीद होता है। ठंड के मौसम में जहाँ रखा हुआ भोजन अपेक्षाकृत कम खराब होता है, वहीं हल्की गर्मी आते ही उसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। अत: इस मौसम में बासी भोजन करना खतरनाक हो सकता है। इसी तरह शादी-ब्याह के मौसम में दावतें उड़ाना भी पेट के लिए भारी पड़ सकता है। इसी मौसम में बच्चों को सबसे अधिक उल्टी-दस्त की शिकायत होती है। मच्छर और मक्खियाँ भी इसी मौसम में तेजी से पनपते हैं और डाररिया व मलेरिया होने का कारण बनते हैं। यह मौसम विद्यार्थियों के लिए खास सावधानी रखने का होता है। परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे रहने के कारण उनकी दिनचर्या काफी बदल जाती है। वे न तो समय पर खाते हैं न ही सोते हैं। अधिकांश छत्र बहुत कम समय के लिए सोते हैं। लगातार जागने से एसीडिटी की शिकायत होने लगती है। पेट में जलन और कब्ज उनकी स्थायी समस्या बन जाती है। वे या तो बहुत ही कम खाते हैं या फास्ट फूड खाकर पेट भर लेते हैं। रात में जगने के लिए कॉफी या चाय की अधिकता से पेट खराब रहता है। भूख को दबाने से शरीर में ताकत नहीं रहती, जो कई बीमारियों को न्योता दे सकती है।

हेल्थ प्लस

लंबी उम्र के लिए हफ्ते में दो बार रखे उपवास

उपवास को लेकर अकसर लोगों के दिमाग में यह सवाल दौड़ता है कि यह सेहत के लिए ठीक है या नहीं। अब वैज्ञानिकों ने इस सवाल का सही जवाब ढूंढ़ निकाला है। शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में प्रमाणित किया है कि सप्ताह में दो दिन खाने से परहेज करेंगे तो आपकी उम्र में इजाफा होगा। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया है कि सप्ताह में दो दिन का फास्ट लंबी उम्र पाने की चाबी है। इतना ही नहीं फास्ट रखने से अल्जाइमर और पार्किगसन जैसी दिमागी बीमारियों से भी बचा जा सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक जब शरीर सीमित मात्रा में कैलोरी लेता है तो दिमाग में मौजूद केमिकल मैसेंजर में इजाफा होता है। हालांकि यह बात पहले से प्रमाणित थी कि चूहों में कैलोरी की सीमित मात्रा उनकी जिंदगी को लंबा करती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि चूहों की तरह ही इनसान पर भी इसका एक जैसा असर होगा। डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक इनसानों पर फास्ट का सकारात्मक असर होता है। इंस्टीट्यूट लैबोरटी ऑफ न्यूरोसाइंस के प्रोफेसर के मुताबिक अगर आप कम कैलोरी का सेवन करेंगे तो इससे आपके दिमाग को मदद मिलेगी। उन्होंने बताया फास्ट बेशक फायदेमंद है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप खाना ही छोड़ दें।

विटामिन बी-12

विटामिन बी-12 दिमाग के लिए फायदेमंद है। खासतौर पर फोलेट-यानी विटामिन बी-9 को दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसी तरह विटामिन बी-12 भी मस्तिष्क के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों ने वृद्ध लोगों के दिमाग के स्कैन का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि जिन वृद्धों के शरीर में विटामिन बी-12 का स्तर अधिक था, उनके दिमाग में उम्र के साथ होने वाली सिकुड़न की आशंका 6 गुना तक कम थी। चिकित्सकों का कहना है-कि बड़ी उम्र के लोगों में विटामिन बी-12 की कमी एक बड़ी समस्या है-जिससे उनका दिमाग और याददाश्त प्रभावित होते हैं। विटामिन बी-12 युक्त चीजों को रोजाना अपने भोजन में शामिल करके इस समस्या से आसानी से बच सकते हैं। मांस, मछली, अंडा, दूध और ब्रेड, दालें, सोयबीन व इसके उत्पाद, बादाम, पालक आदि इसके अच्छे स्रोत हैं।

ऐसे पाएँ तेज दिमाग

व्यायाम करने से प्रोटीन का उत्पादन बढ़ता है, रक्त संचार सुधरता है और तंत्रिका तंत्र बेहतर ढंग से काम करता है। इसका प्रभाव दिमाग पर भी पड़ता है और इसकी कार्यक्षमता बढ़ती है।

बढ़ाएँ अपना फिटनेस लेवल

एरोबिक एक्सरसाइज से शरीर तंदुरुस्त होता है, साथ ही दिमाग की कोशिकाओं यानी न्यूरॉन्स का निर्माण भी होने लगता है। दौड़ने से भी दिमाग में नई-कोशिकाएँ बनने लगती हैं। इस तरह के कार्डियो व्यायाम करने पर दिमाग का वो हिस्सा अधिक सक्रियता से काम करता है-जो याद रखने और नई चीजें सीखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। व्यायाम करने से प्रोटीन का उत्पादन बढ़ता है, रक्त संचार सुधरता है और तंत्रिका तंत्र बेहतर ढंग से काम करता है। इसका प्रभाव दिमाग पर भी पड़ता है और इसकी कार्यक्षमता बढ़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मस्तिष्क के लिए शरीरिक श्रम दिमागी कसरत से भी अधिक महत्वपूर्ण है।

पीते रहें पानी

निर्जली करण होने पर दिमाग सिकुड़ने लगता है, जिससे इसका कार्य-प्रभावित होता है। 90 मिनट तक लगातार पसीना बहाने पर दिमाग में इतनी सिकुड़न आ सकती है-जितनी कि उम्र एक साल बढ़ने पर आती है। हालाँकि 1-2 गिलास पानी पीने पर दिमाग जल्द ही सामान्य स्थिति में आ जाता है लेकिन कई-दिनों तक शरीर में पानी की कमी बनी रहने से कामकाज या स्कूल में प्रदर्शन प्रभावित होने लगता है। शरीर में निर्जलीकरण होने पर दिमाग की कोशिकाओं से पानी बाहर निकल जाता है और वो सिकुड़ जाती हैं। इससे उनमें मौजूद महत्वपूर्ण केमिकल्स का कॉन्सन्ट्रेशन बदल जाता है-और कार्य प्रणाली प्रभावित होती है।

तांबा

तांबा एक खनिज पदार्थ-है-जो सेंट्रल नर्वस सिस्टम के लिए अत्यावश्यक है। इसकी मौजूदगी में तंत्रिका तंत्र सुचारू रूप से कार्य-करता है। ये ठीक से काम न करें तो नई-चीजें सीखने और याद करने की क्षमता प्रभावित होती है। तिल, काजू, नाशपती, मशरुम, सूरजमुखी के बीज, काली मिर्च आदि इसके स्रोत हैं।

भाषा को मजबूत करें

नई-भाषा सीखना नहीं चाहते हों तो अपनी भाषा को मजबूत करें। नए शब्द सीखें और अपनी लेखन कला को समृद्ध करने के प्रयास करें। अमेरिका में हुए एक अध्ययन से यह बात सामने आई-कि जो लोग जीवन के शुरुआती वर्षों में भाषा पर पकड़ मजबूत बना लेते हैं उनका दिमाग वद्धावस्था में भी तीक्ष्ण बना रहता है। अध्ययन से पता चला कि युवावस्था में बेहतर ढंग से लिखने वालों में वृद्धावस्था में एल्जाइमर्स या-डिमिंशिया जैसी बीमारियों की आशंका कम होती है। चिकित्सा एवं कानून विषय पर देश-विदेश की पत्र-पत्रिकाओं में नियमित रूप से लिखते हैं।

करें दिमागी कसरत

अनजाने नामों को याद रखने में परेशानी महसूस करते हैं? तो अपनी याद करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए दिमागी कसरत करना शुरू कर दें। ये कसरतें बहुत ही मज़ेदार होती हैं और रचनात्मकता को बढ़ाती हैं। खेल-खेल में चीजें जल्दी याद होती हैं क्योंकि ये मनोरंजक होती हैं। आप अपने हिसाब से छोटे-छोटे खेल बना सकते हैं, इसके लिए इन बातों का खयाल रखें:-

मजेदार, रंगीन और रोचक चीजें आम या बोरिंग के मुकाबले दिमाग में ज़्यादा समय तक टिकती हैं।

जो जीजें याद करना चाहते हैं, दिमाग में उनका सकारात्मक चित्रण करें। अप्रिय चीजों को हम जल्द ही भूल जाते हैं।

दूसरी भाषाएँ भी सीख

आप दो या उससे भी ज्यादा भाषाओं में बात करते हैं? तो आपके लिए खुशखबरी है। दिमाग़ को तेज़ बनाने के लिए उसका सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। केवल एक भाषा में बात करने वाले और दो भाषाओं में बात करने वाले लोगों पर ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन किया। जब ये लोग एक ही भाषा में बात कर रहे थे तो सभी का दिमाग समान रूप से सक्रिय था। दो भाषा जानने वालों ने जब दूसरी भाषा में बात करना शुरू की तो उनके दिमाग़ का अधिक हिस्सा सक्रिय हो गया था। दो भाषा बोलने वाले बेहतर ढंग से कैल्कुलेशन करते हैं। आप किसी भी उम्र में दूसरी भाषा सीखना शुरूभ कर सकते हैं। नई-भाषा सीखने से मस्तिष्क में कई-तरह के सकारात्मक परिवर्तन होने लगते हैं। भाषा सीखने के अलावा चुनौतिपूर्ण कार्य-या शौक पूरे करने से डिमेंशिया के जोखिम को कम किया जा सकता है